हमारा परिवार

1

निर्देश –1. सब बच्चों से बारी–बारी उनका नाम पूछकर अपने बारे में बोलने के लिए कहना। जैसेः– तुम्हारी माँ का नाम, पिता का नाम और उनका पता पूछना।

2. आपके परिवार में कौन–कौन रहते हैं? उनका नाम बताइए।

हमारा परिवार

छोटा – बड़ा

मोटा – पतला

दृश्य विभेदीकरण

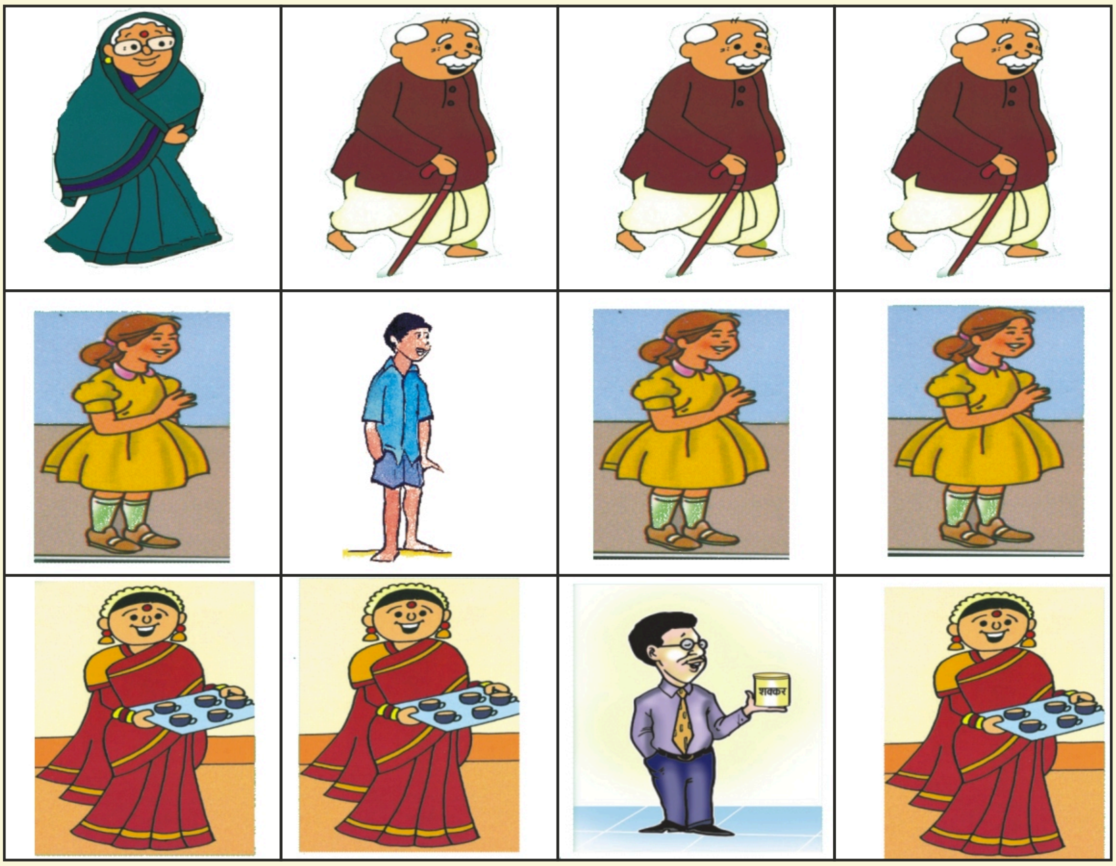

हमारा परिवार

कम – ज्यादा

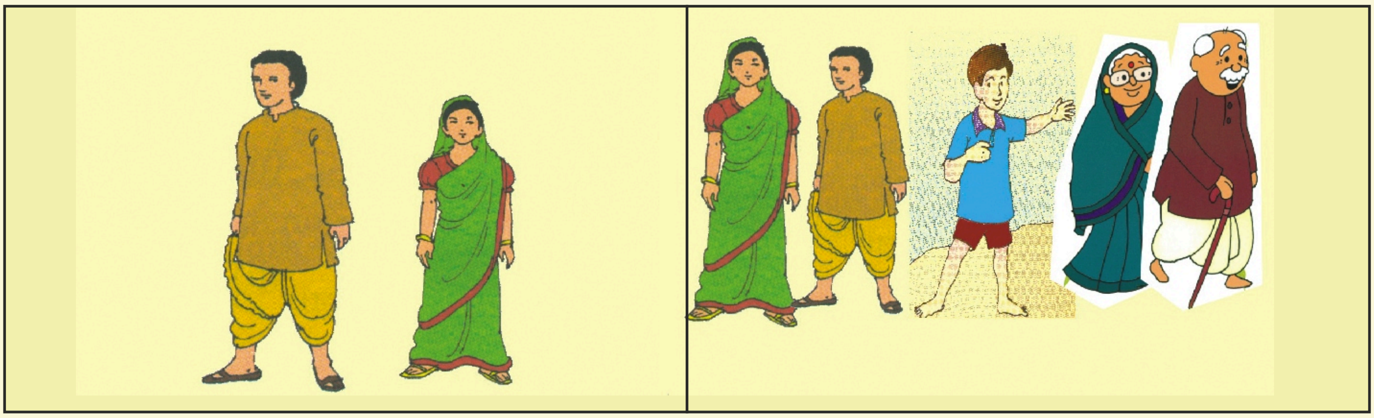

आकार क्रमीकरण –

1

हमारा परिवार

छोटा परिवार

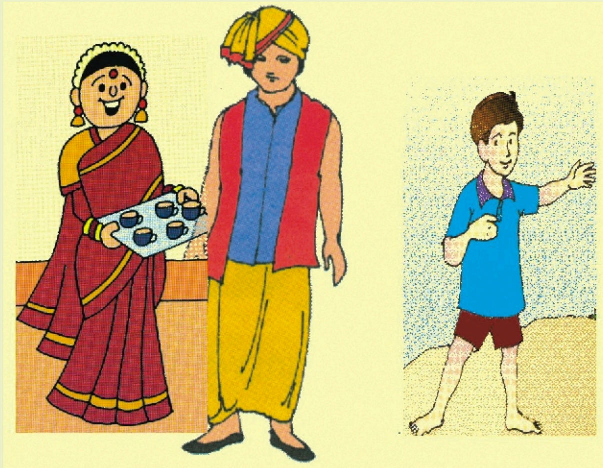

बड़ा परिवार

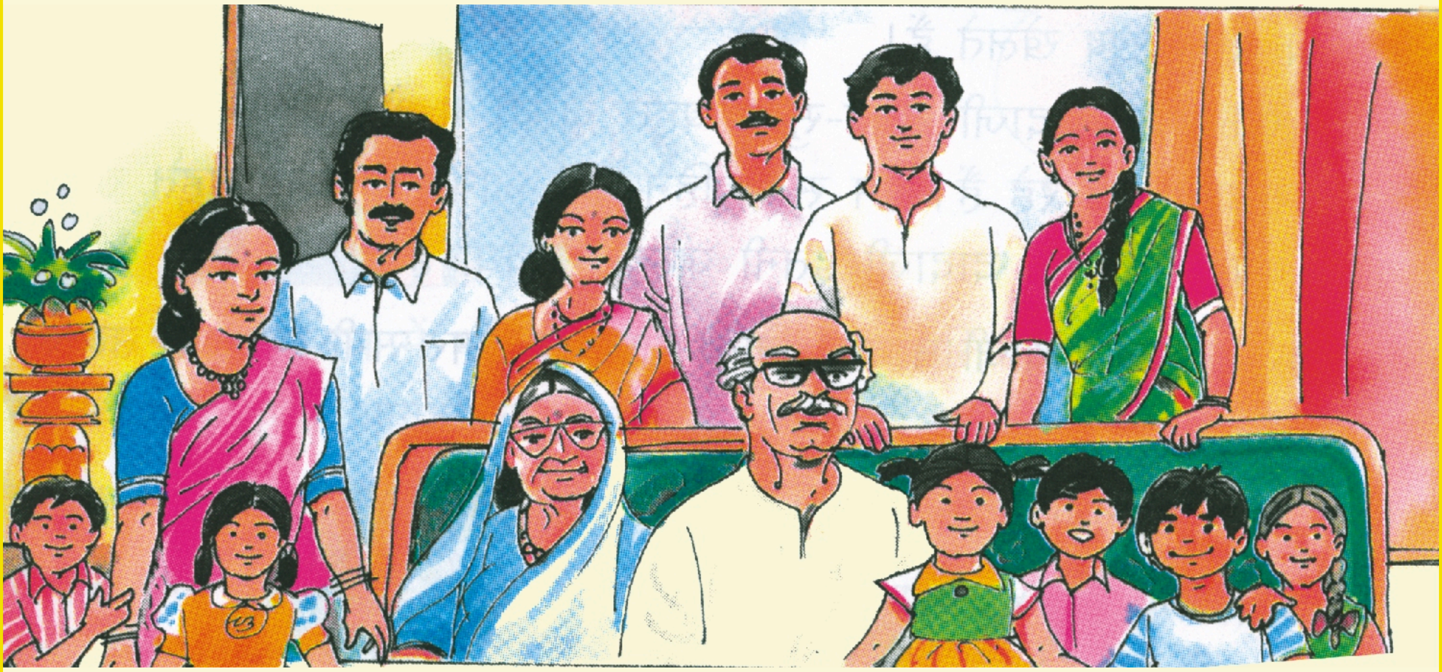

1

हमारा परिवार

चौड़ा–सँकरा

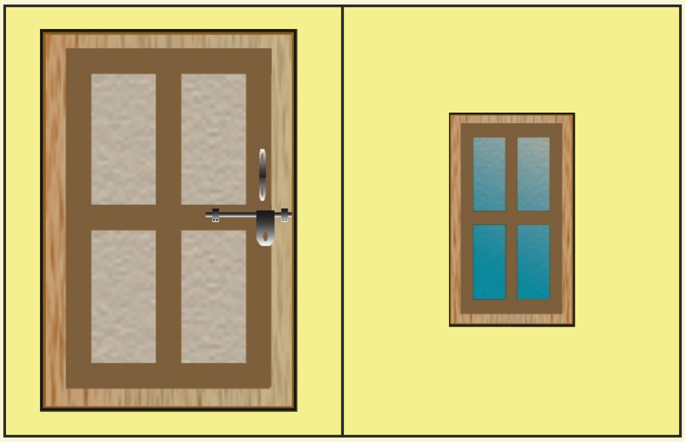

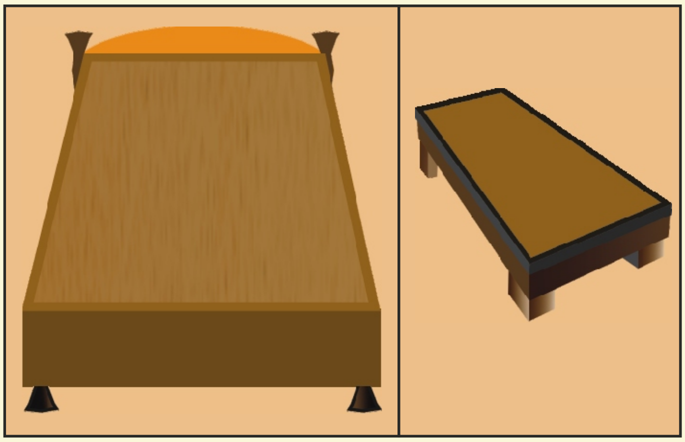

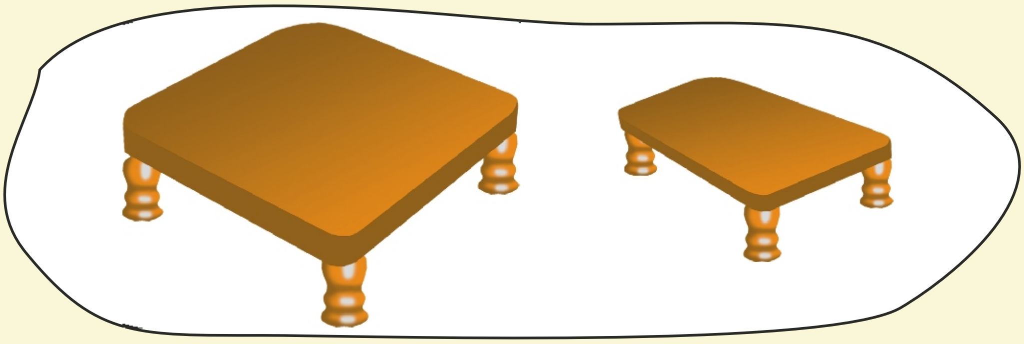

दूर–पास

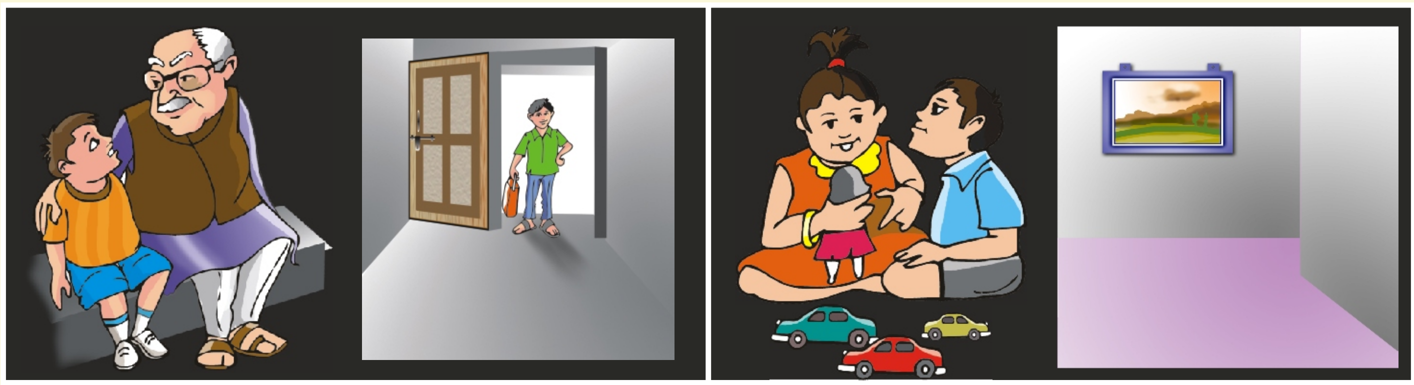

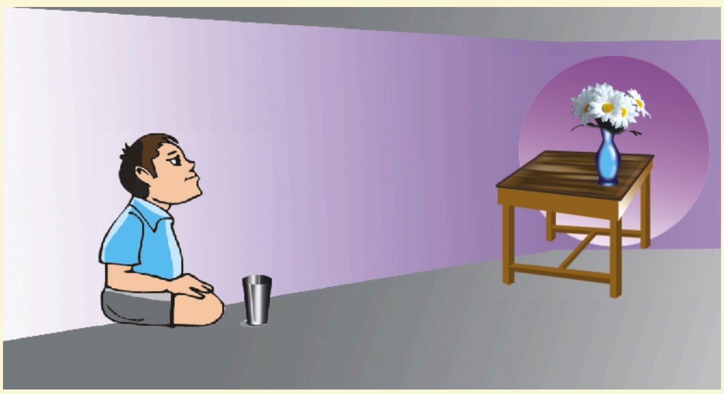

हमारा परिवार

ऊपर–नीचे

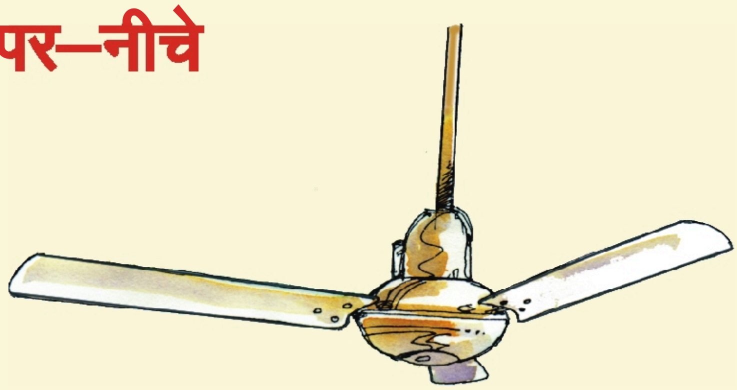

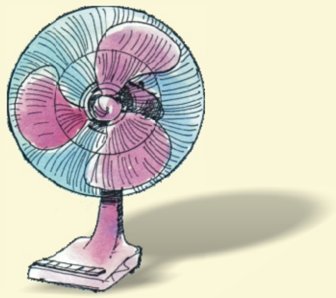

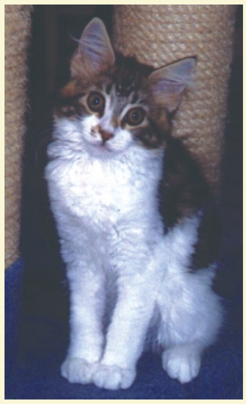

अंतर करना –

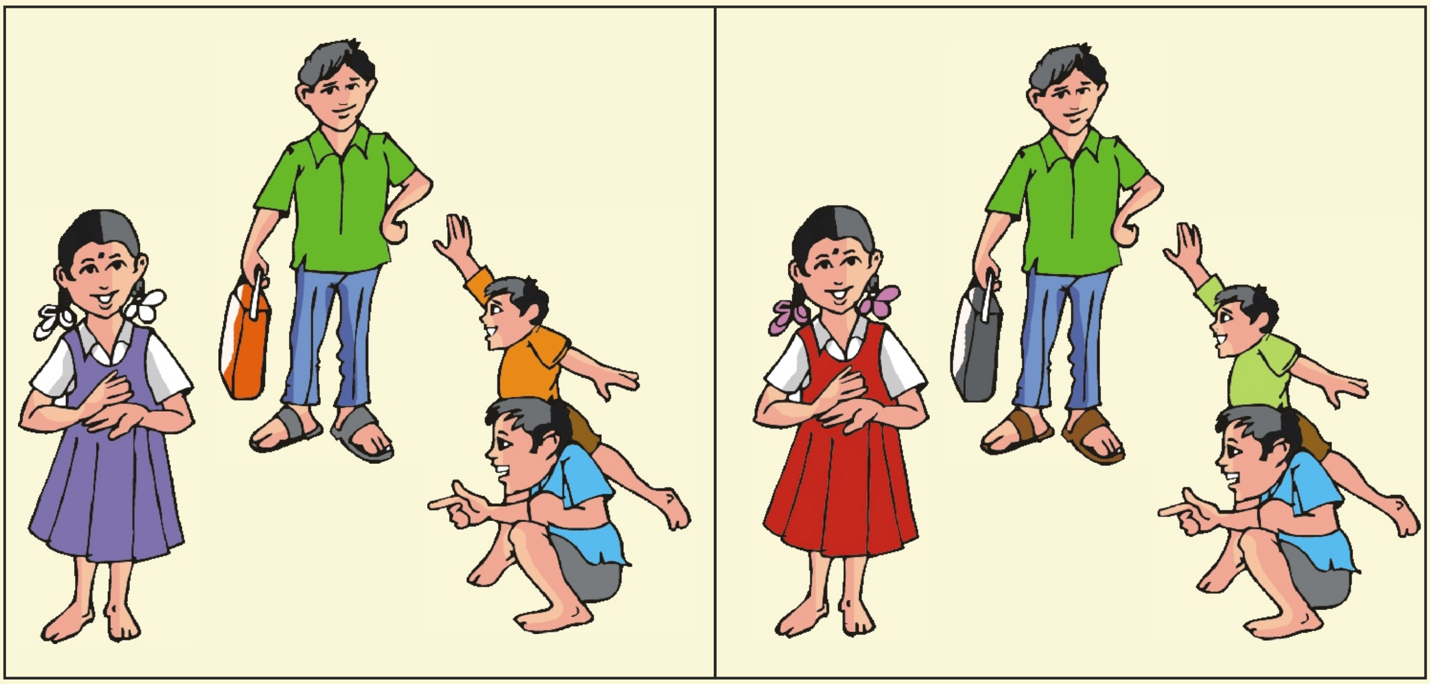

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

हमारा परिवार

अभिनय (माता–पिता का)

एक बच्चे से पिता व एक बच्चे से माँ का अभिनय करायेंगे। जैसे – अपने माता–पिता को प्रणाम करने व काम में सहायता करने का अभिनय करायेंगे।

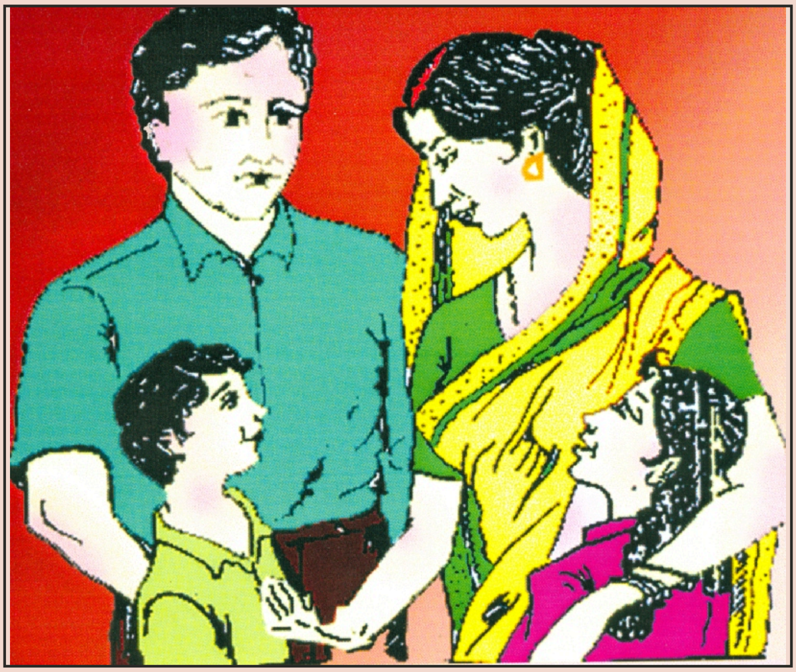

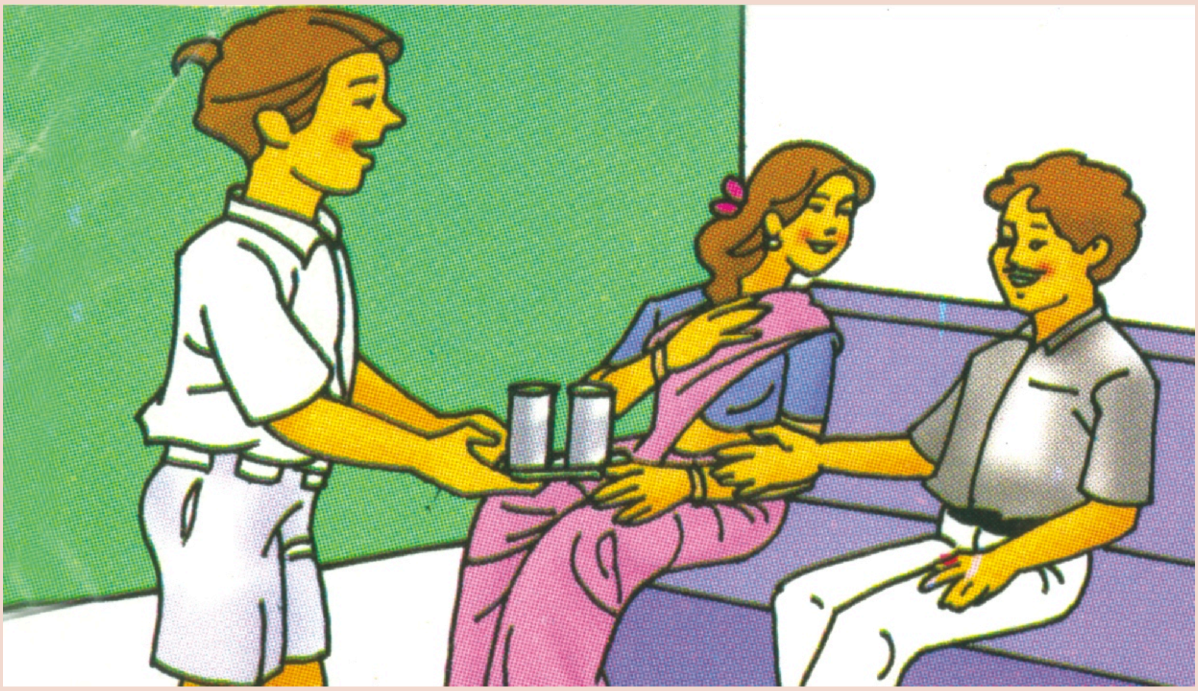

निर्देश – क्या आप ऐसा करते हैं?

1

हमारा परिवार

निर्देश– बच्चे का सम्मान करने के लिए उसके अच्छे कार्य की सराहना करें।

हमारा परिवार

1. कपड़े सुखाना।

2. सुई में धागा डलवाना।

हमारा परिवार

1

3. हाथी घोड़ा पालकी,
   जय कन्हैया लालकी।

4. शर्ट–पैंट तह करना (मोड़ना)।

5. मिलजुल कर वस्तुओं को उठाकर, यथा स्थान पर रखना।

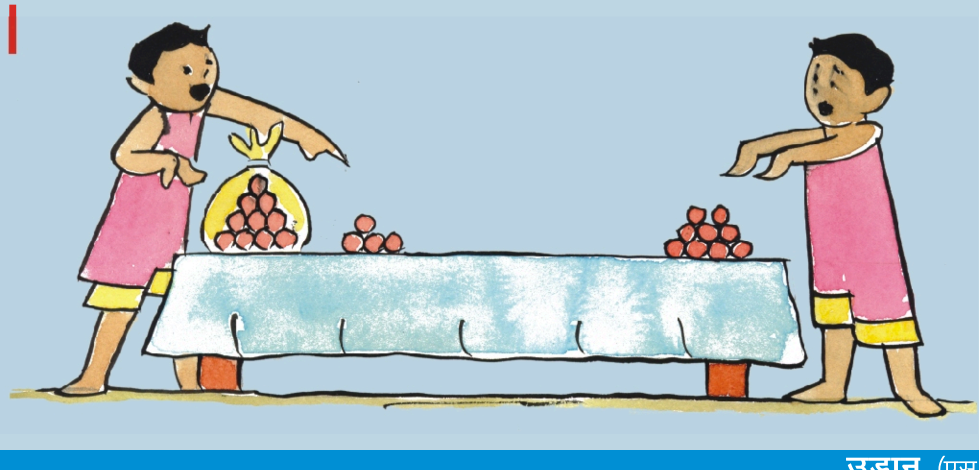

हमारा परिवार

रामू के दादाजी

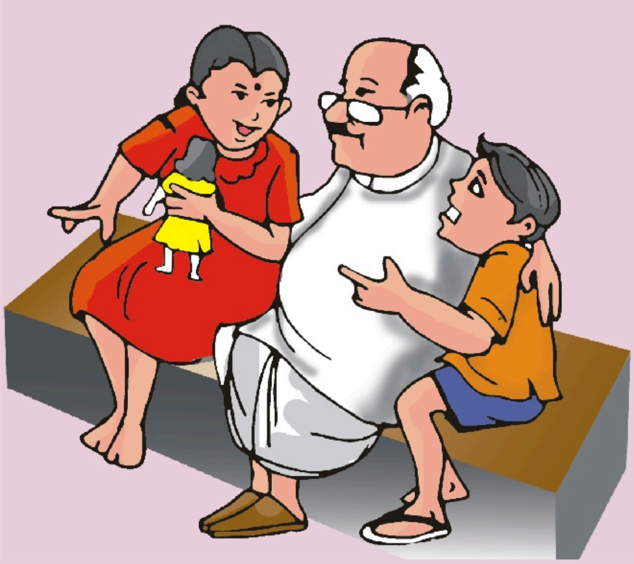

रामू और रानी के साथ उनके दादाजी रहते थे। दादाजी दोनों को रोज कहानी सुनाया करते थे। सुबह उठकर दोनों तैयार होते थे। वे अपने दादाजी के साथ आँगनबाड़ी जाते थे। दोपहर को दादाजी फिर दोनों को लेने जाते थे। दोनों दादाजी के साथ बातें करते हुए घर वापस आते थे।

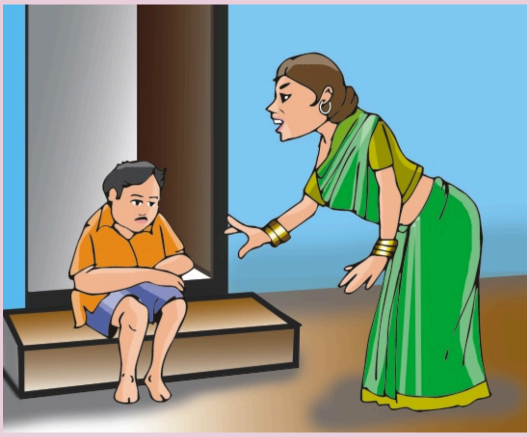

एक दिन रामू के चाचा शहर से गाँव आये। चाचा दादाजी को अपने साथ लेकर चले गये। अब रामू उदास रहने लगा। वह रात को घर की छत की तरफ देखकर रोता था। वह आँगनबाड़ी भी बहुत उदास होकर जाता था। रानी घर के दरवाजे पर चुपचाप बैठ कर लोगों को आते जाते देखते रहती थी।

एक दिन माँ ने पूछा – रामू तुम उदास क्यों हो? रामू कहता है, चाचाजी के घर से दादाजी को लेकर आओ। माँ कहती है – बेटा चाचाजी के घर पर दादाजी रहेंगे। रानी बहुत जिद करती है कि दादाजी को बुलाओ।

रामू और रानी एक दिन जब सुबह उठते हैं, तो उन्हें दादाजी बिस्तर के पास बैठे हुए दिखते हैं। रामू अपने दादाजी के गले लग जाता है। रामू और रानी दोनों दादाजी को प्यार करते हैं। दोनों बहुत खुश होते हैं।

निर्देश –कहानी के पात्रों का अभिनय कराएँ।

हमारा परिवार

अम्मा की गोदी तो भैय्या,
हर गोदी से न्यारी है।
अम्मा की गोदी से बढ़कर,
कोई जगह न प्यारी है।
वहाँ न मुझको लगता डर
वह तो है मेरा बिस्तर।।

माताजी के भाई को मामाजी हम कहते हैं,
मामाजी जब आते हैं, खूब मिठाई लाते हैं।
पापाजी के भाई को चाचाजी हम कहते हैं,
चाचाजी जब आते हैं, बैट–बॉल ले आते हैं।
पापाजी की बहन को बुआजी हम कहते हैं,
बुआजी जब आती हैं, टॉफी खूब खिलाती हैं।
माताजी की बहन को मौसीजी हम कहते हैं,
मौसीजी जब आती हैं, गुड्डा–गुड्डी लाती हैं।।

हमारा परिवार

1. कागज के फूल चिपकाकर घर सजाना।

2. आँगनबाड़ी में रंगोली बनाना।

3. छोटे बहन–भाई के लिए माला बनाना।

हमारा परिवार

4. तोरण बनाना।

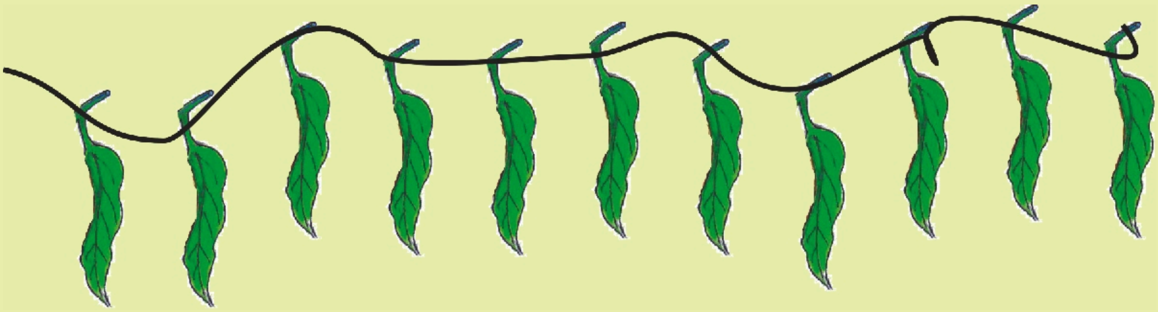

5. चित्र में रंग भरना।

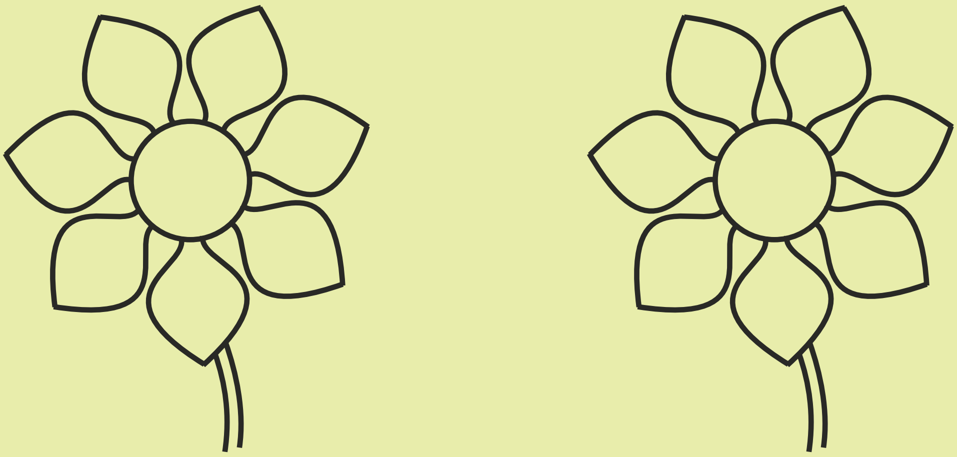

6. गुड्डा/गुड़िया को सजाना।

हमारा घर

अवलोकन –

गाय का कोठा

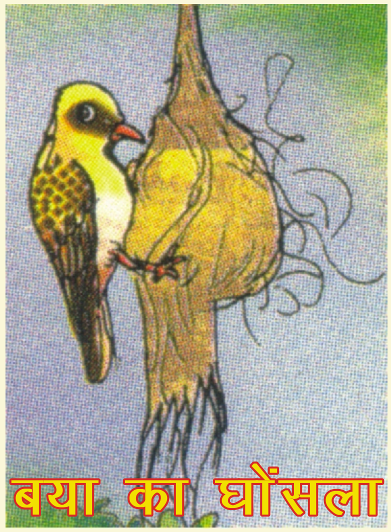

बया का घोंसला

पक्का मकान

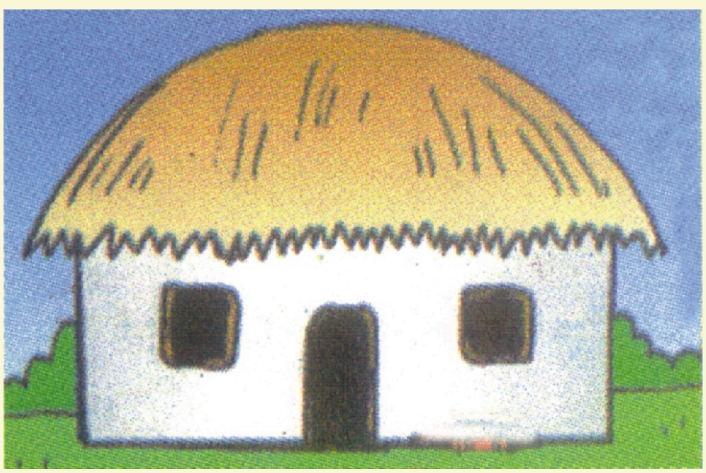

खदर वाला घर

चूहे का बिल

चींटी का घर

खपरैल का घर

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

हमारा घर

2

कम–ज्यादा –

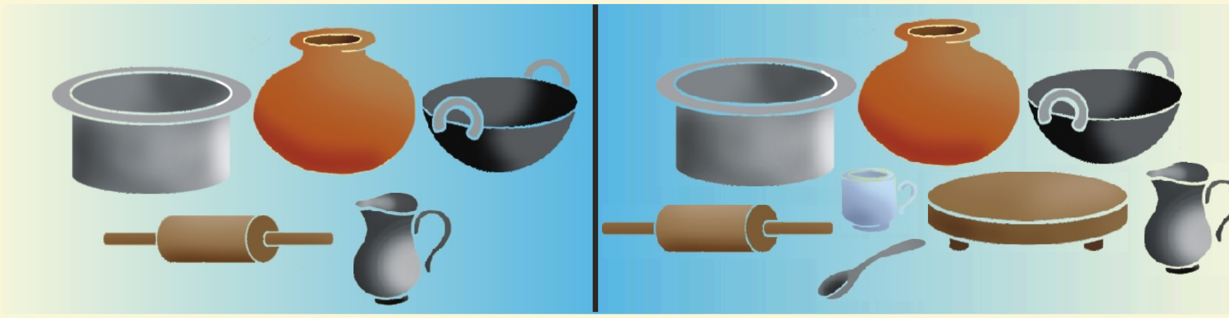

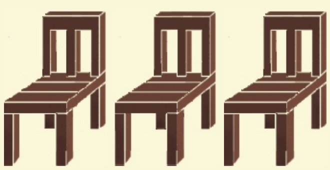

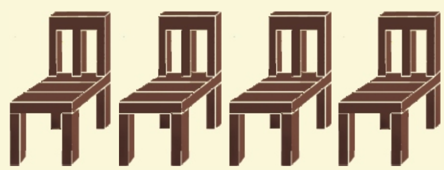

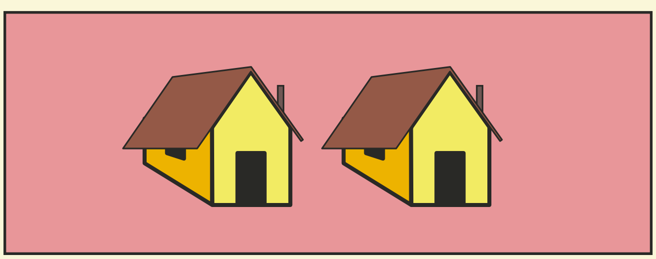

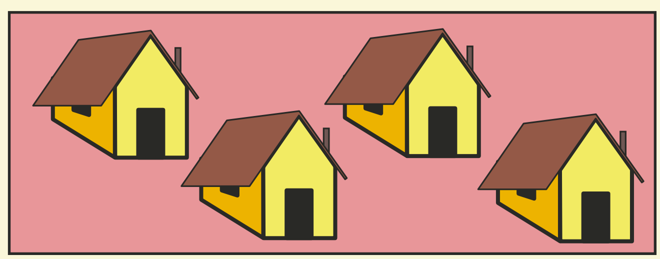

हल्का–भारी –

हमारा घर

छोटा–बड़ा

क्रमीकरण –

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

2

हमारा घर

मिलान

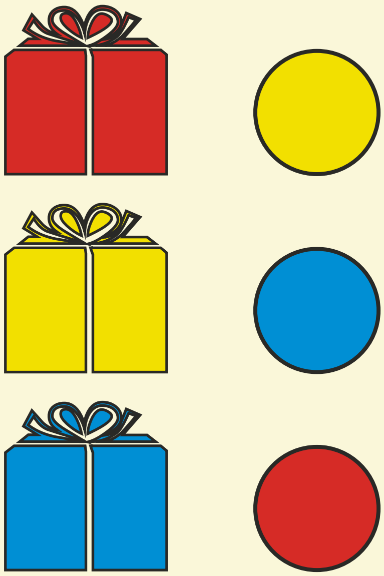

अंतर बताओ –

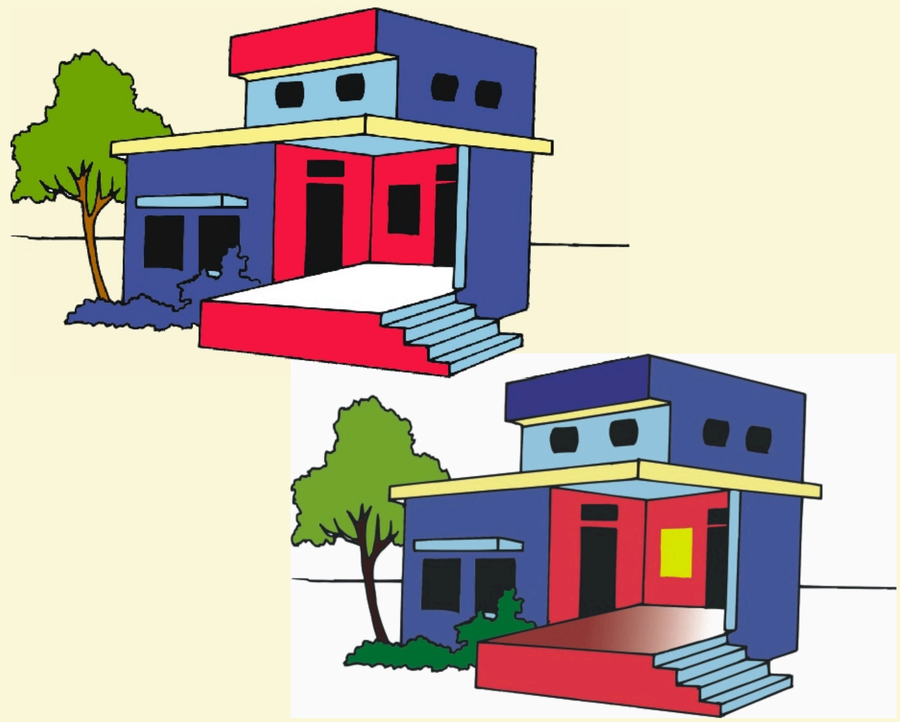

दृश्य विभेदीकरण –

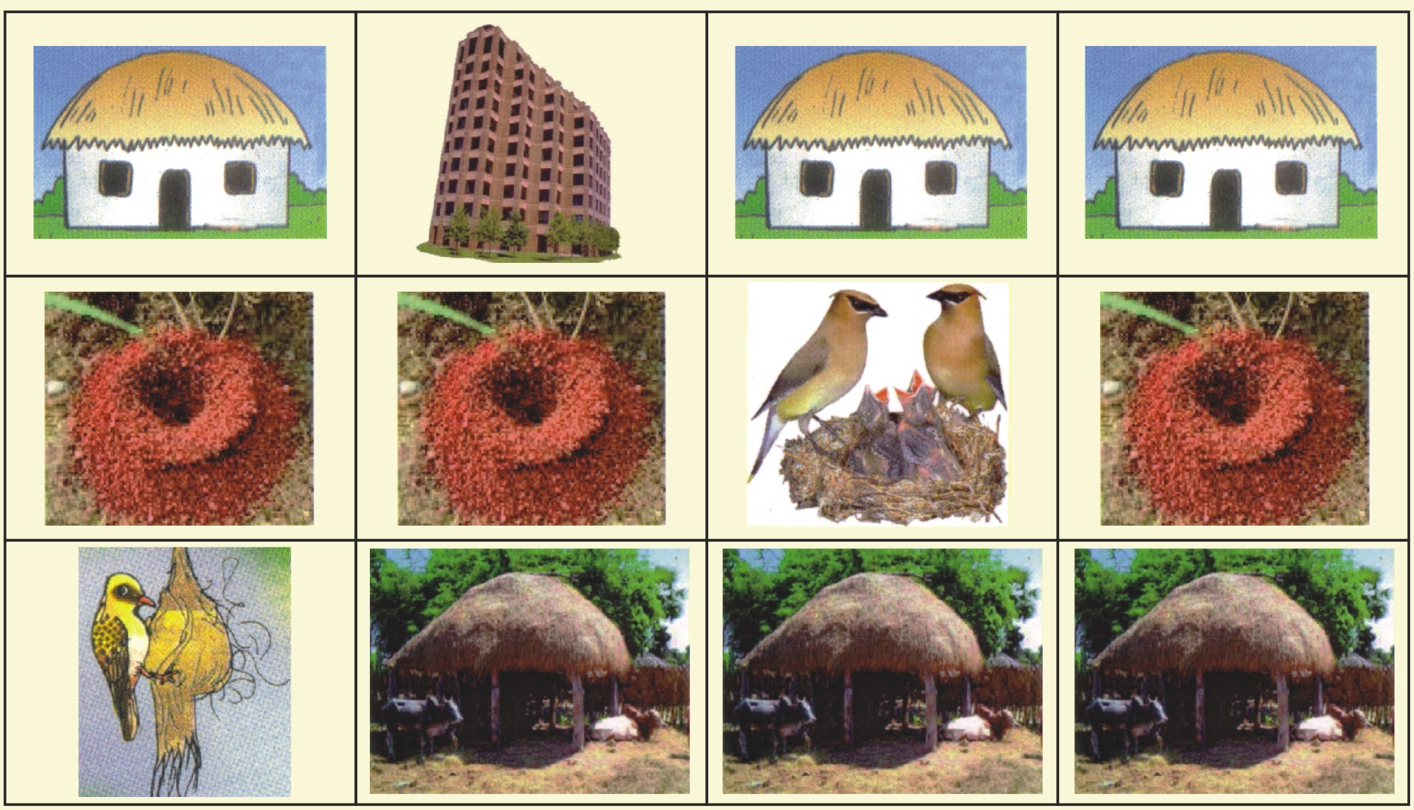

हमारा घर

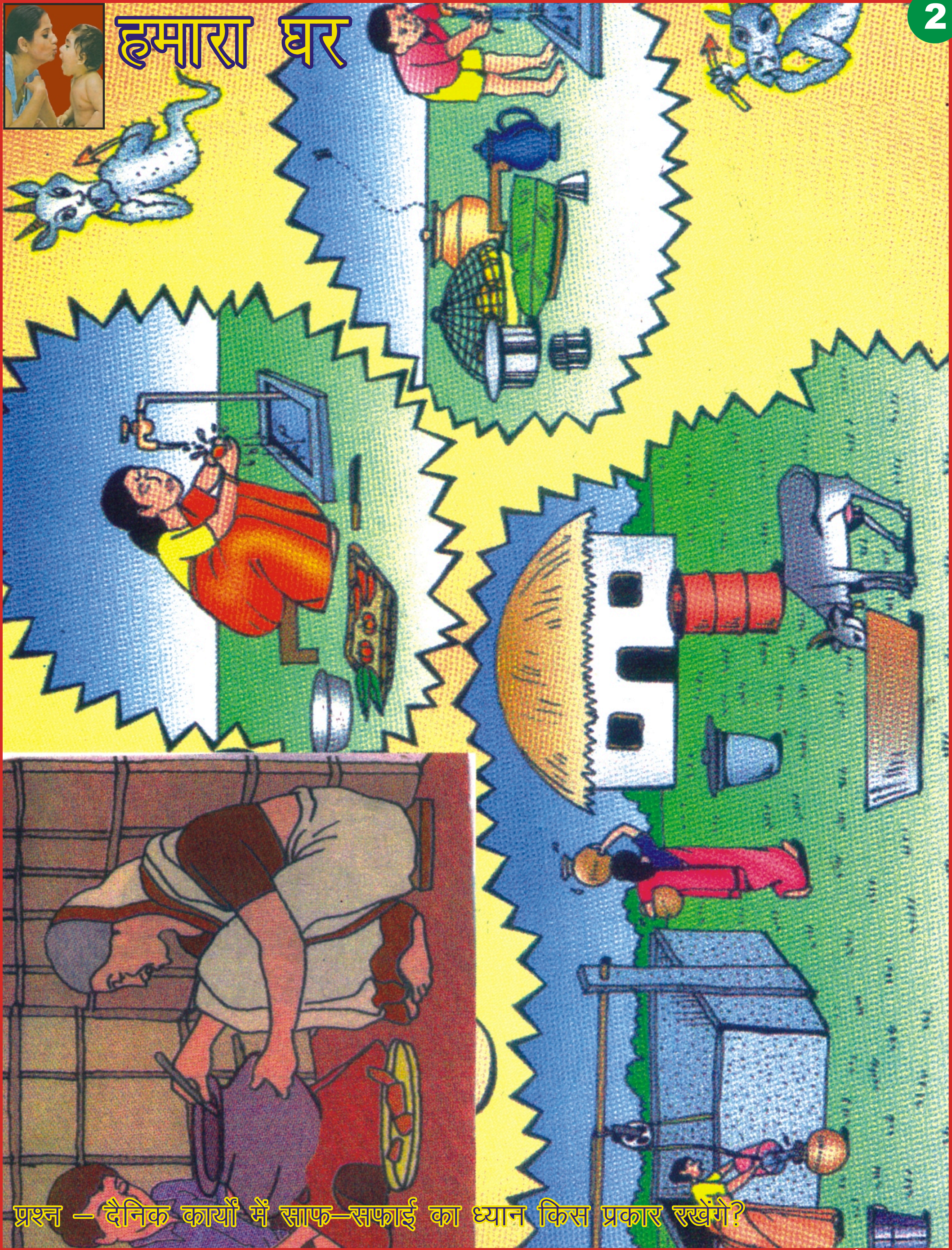

प्रश्न – दैनिक कार्यों में साफ–सफाई का ध्यान किस प्रकार रखेंगे?

हमारा घर

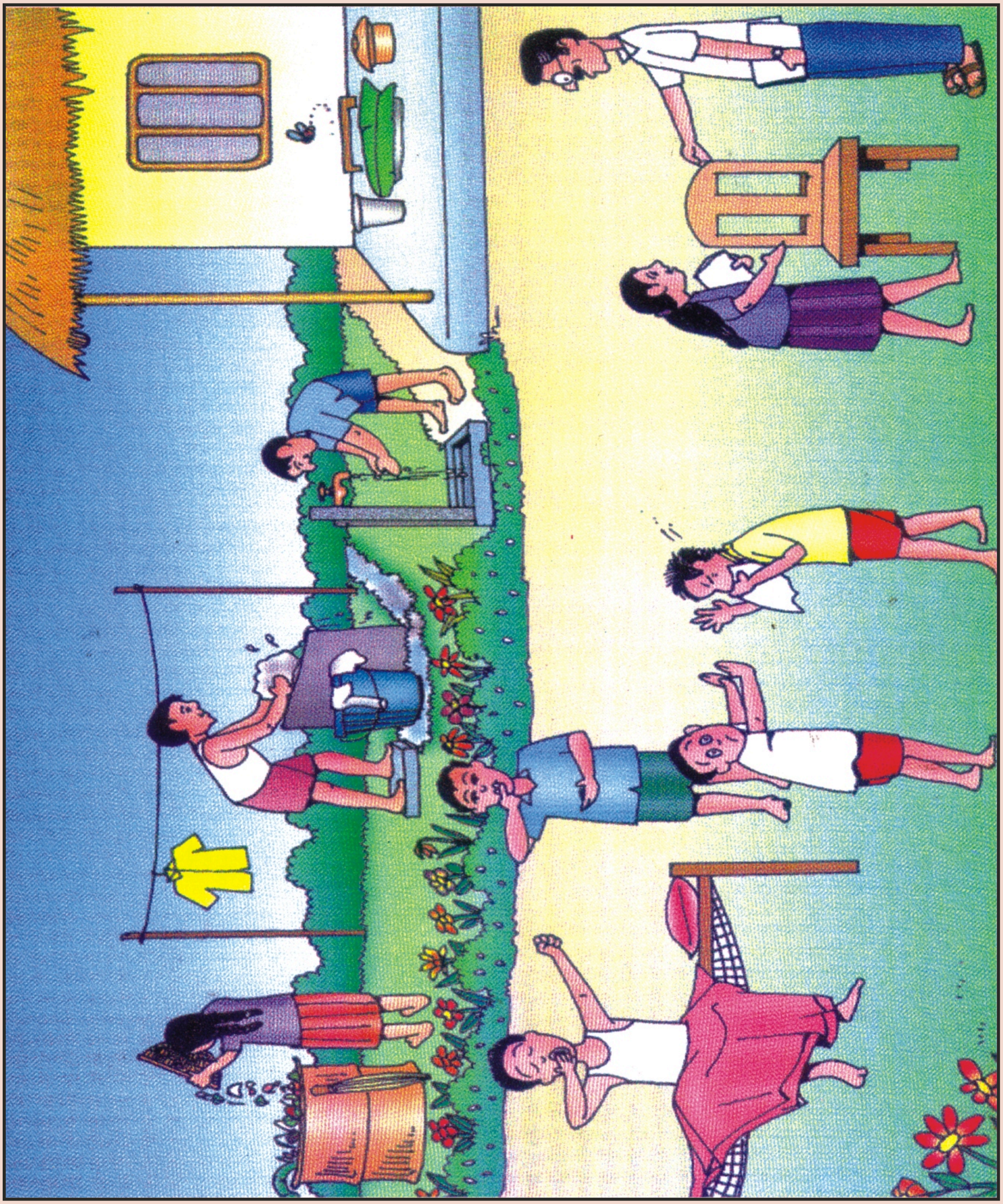

निर्देश – 1. चित्र में कौन–कौन क्या कर रहे हैं?
2. मिलजुल कर जो कार्य करते हैं, उन कार्यों की चर्चा करें एवं बच्चों से पूछें।

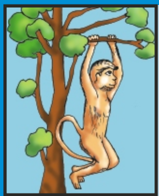

हमारा घर

1. कुएँ से पानी निकालने का अभिनय करें।

2. झाड़ू लगाने एवं कचरा फेंकने का अभिनय करें।

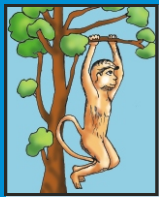

हमारा घर

3. लुका–छिपी का खेल।

4. अंदर–बाहर का खेल।

5. तीरी–पाँसा का खेल खेलायें।

हमारा घर

आज बड़े काले–काले बादल छाये थे। सभी को तेज बारिश होने की उम्मीद थी। इसलिए सभी अपने घरों को ठीक करने में लगे थे।

लेकिन बंटी सारा दिन उछल– कूद करता, सभी को परेशान करता। सभी जानवर (बया, गौरय्या, गिलहरी, चूहा, लोमड़ी) बंटी को समझाते हैं। तुम भी अपने लिए घर बनाओ। बरसात के मौसम में तुम क्या करोगे, कहाँ रहोगे?

पर बंटी ने किसी की बात नहीं सुनी। अब बादल फट पड़े। तेज बरसात होने लगी। सारे जानवर, पक्षी अपने घर में चले गये। अब बंदर अकेले रह गया और वह पानी में भीगने लगा। उसने सोचा कि अब मैं भी अपना घर बनाऊँगा।

हमारा घर

2

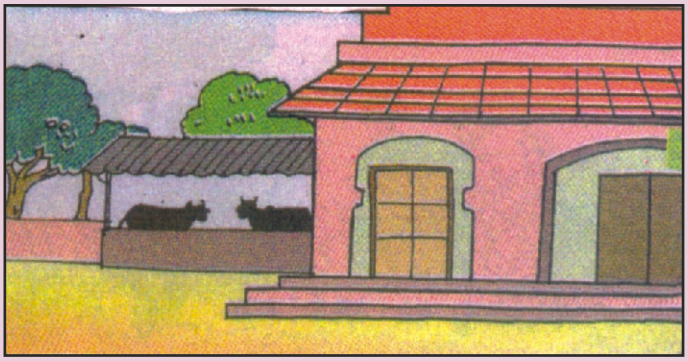

चिंटू के मामा का घर बहुत बड़ा था। घर में गाय, भैंस, बकरी आदि थे।

घर में चिंटू के मामा–मामी के अलावा उसके कुछ दोस्त भी आये थे।

दूसरे दिन चिंटू सभी को खेत घुमाने ले गया, खेतों में धान की फसल लगी थी। ऐसे सुंदर दृश्य देखकर बच्चे खुश हुए।

खेतों के आगे घने जंगल थे, जहाँ बहुत सारे जानवर थे।

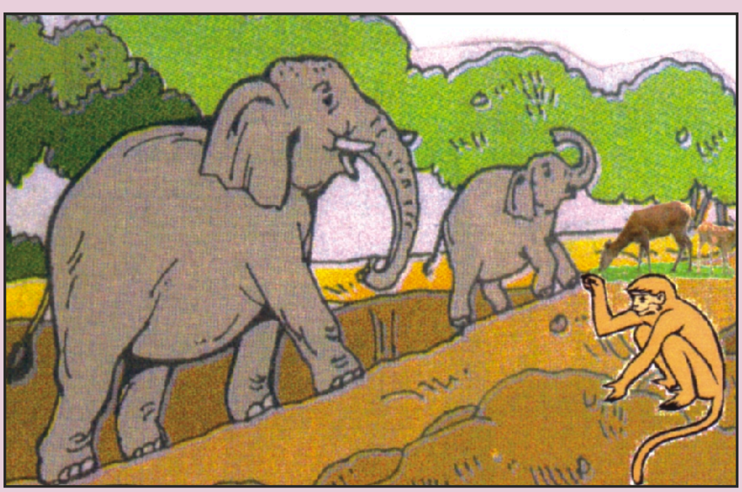

जंगल में हाथी, हिरण, बंदर आदि जानवरों को देखकर वे बहुत खुश हुए।

हमारा घर

1. छोटा–सा यह प्यारा घर।
छोटा–सा यह न्यारा घर।
रहते इसमें मिलकर सारे।
जैसे आसमान में तारे।

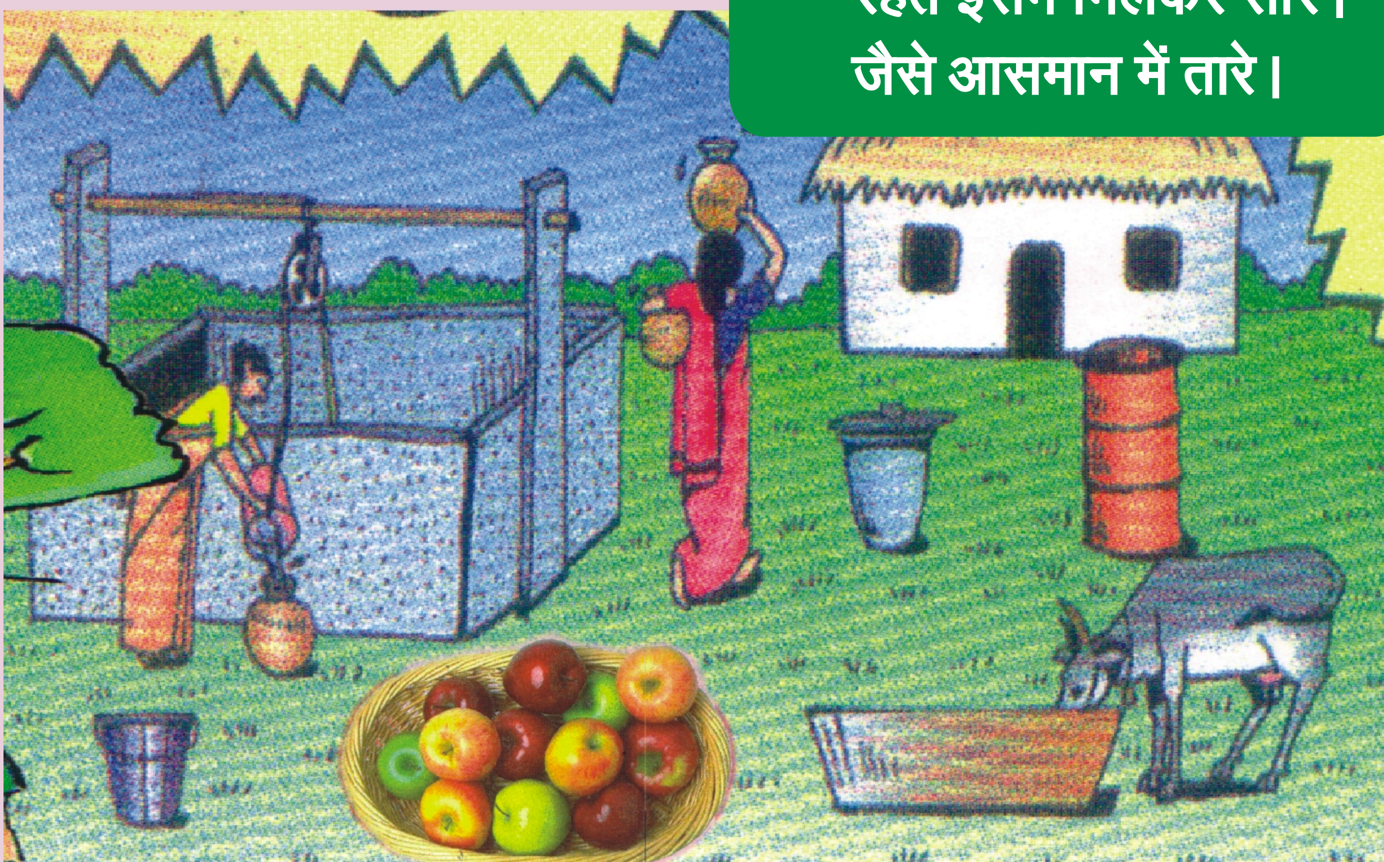

2. कुएँ में पानी, मम्मी मेरी रानी।
पापा मेरे राजा, फल खाएँ ताजा।।
सोने की खिड़की, चाँदी का दरवाजा।
उसमें से निकला, मेरा भइया राजा।।

हमारा घर

3. एक चिड़िया के बच्चे चार,
उड़ते थे वे पंख पसार।
एक गया पूरब की ओर,
एक गया पश्चिम की ओर।
एक गया उत्तर की ओर,
एक गया दक्षिण की ओर।
घूम लिया हमने जग सारा,
अपना घर है सबसे प्यारा।।

हमारा घर

1. चित्र में रंग भरना –

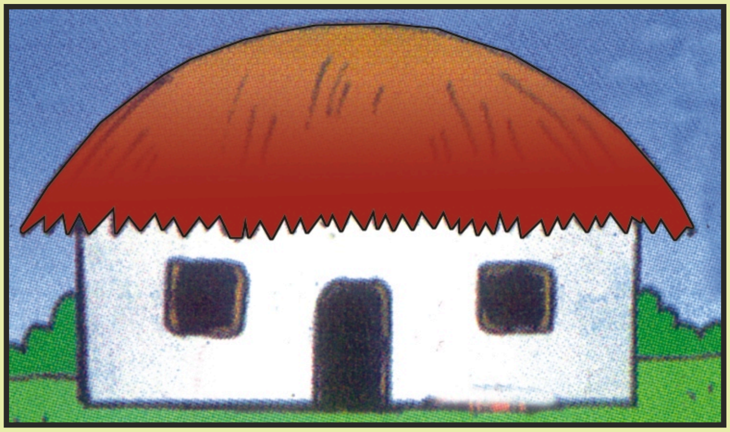

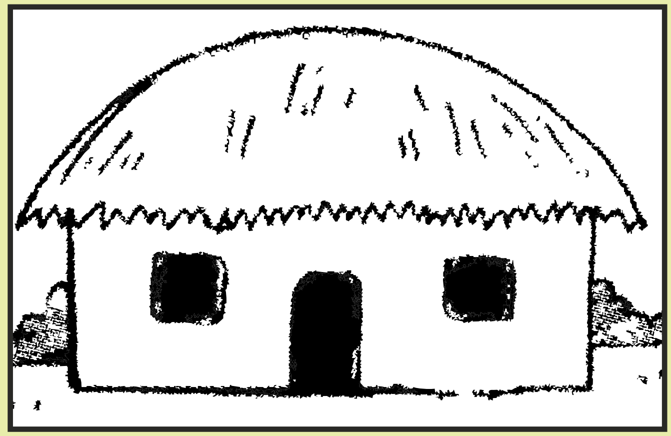

2. घर बनाना –

3. कोलाज़ वर्क –

हमारा घर

4. बिन्दु मिलाओ –

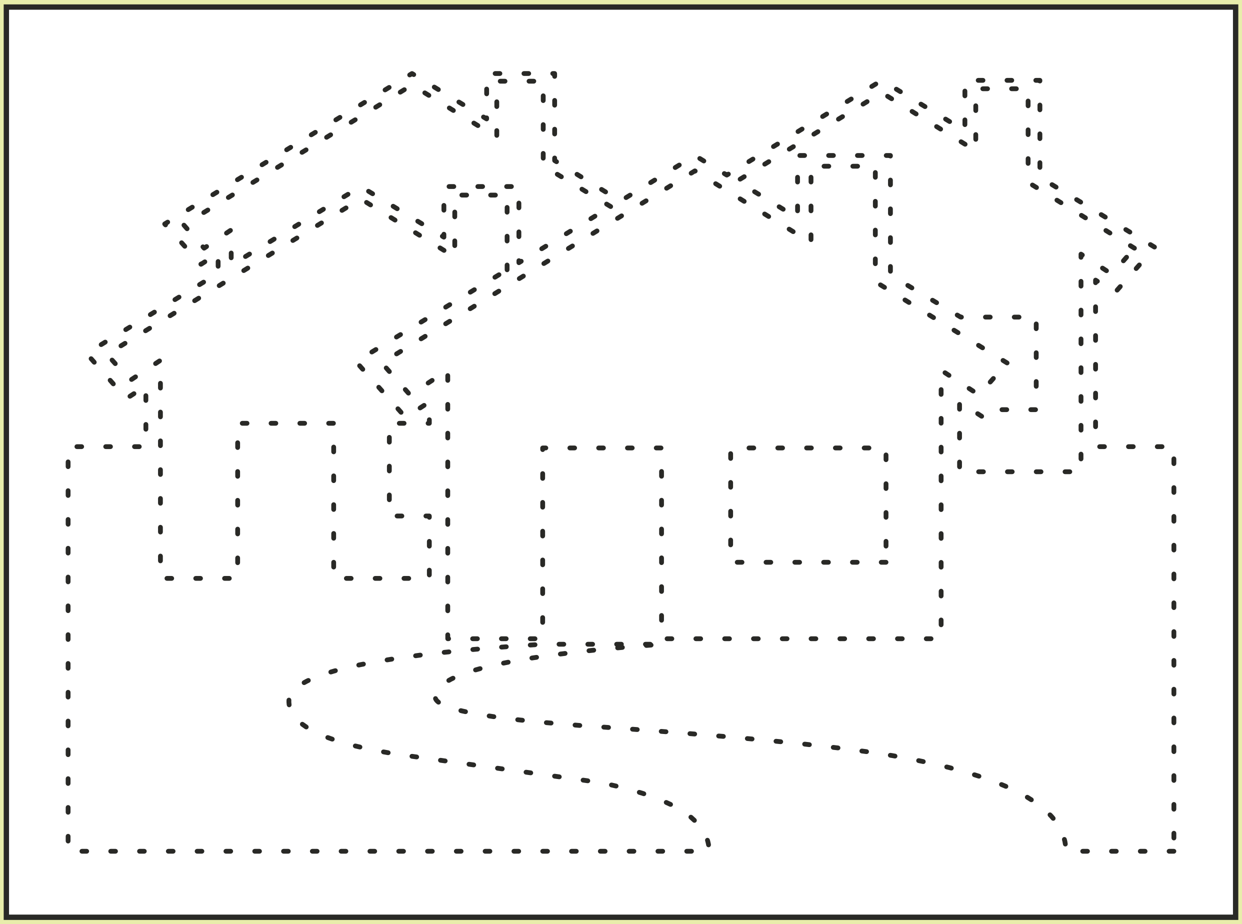

5. रंगोली बनाओ –

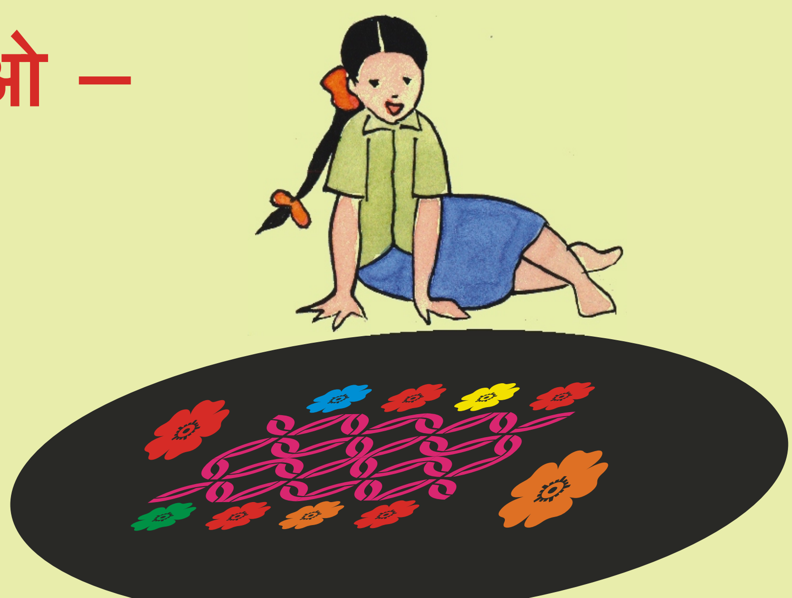

मेरा गाँव
अवलोकन
प्याऊ घर
अस्पताल
प्राथमिक शाला

3

मेरा गाँव

छोटा–बड़ा –

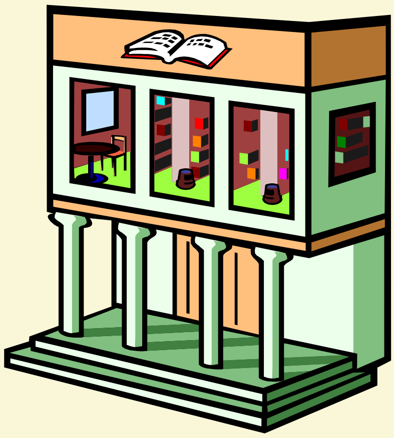

दृश्य विभेदीकरण –

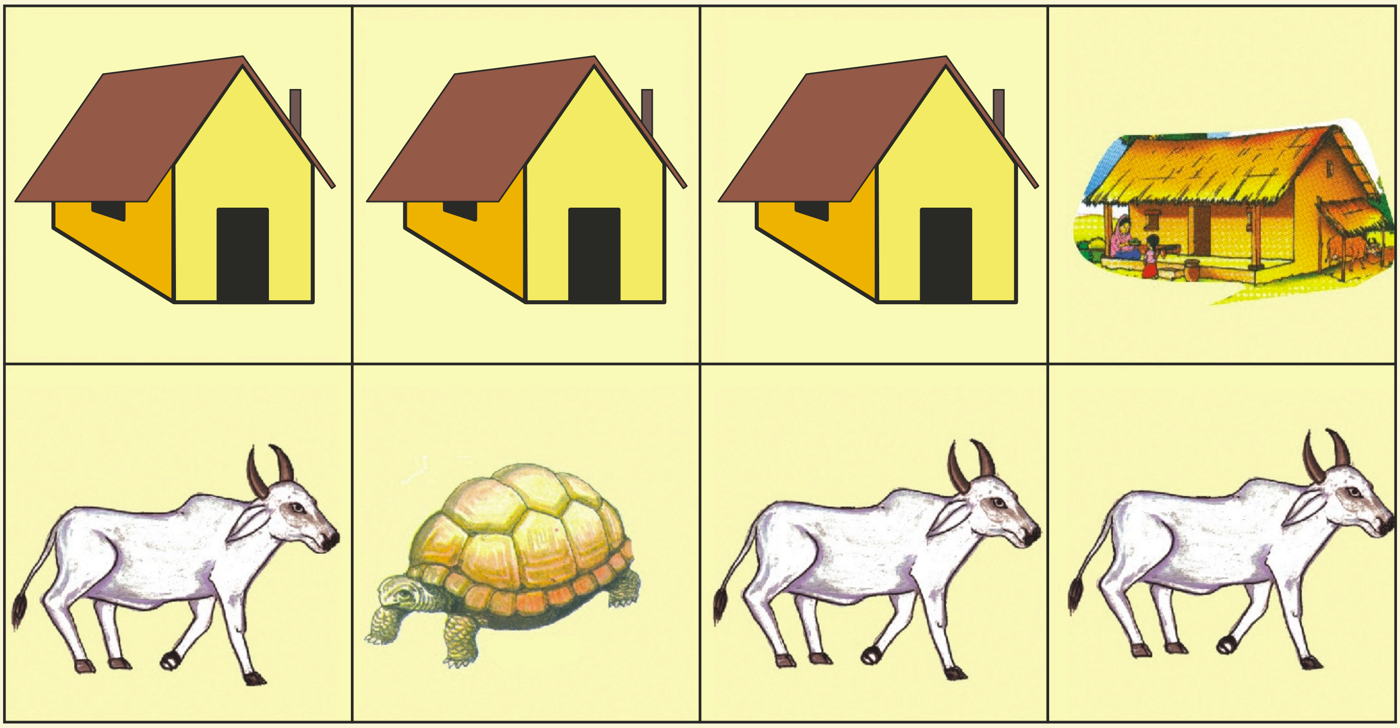

मेरा गाँव

जोड़ी बनाना –

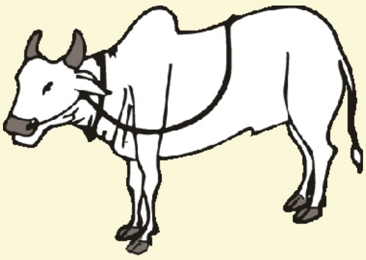

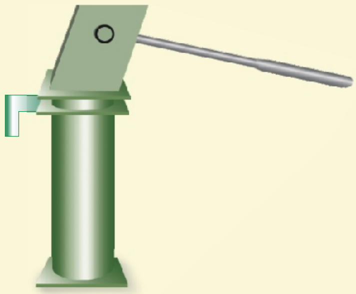

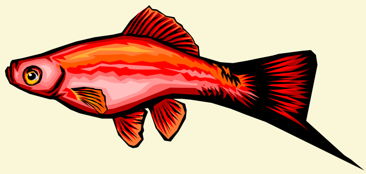

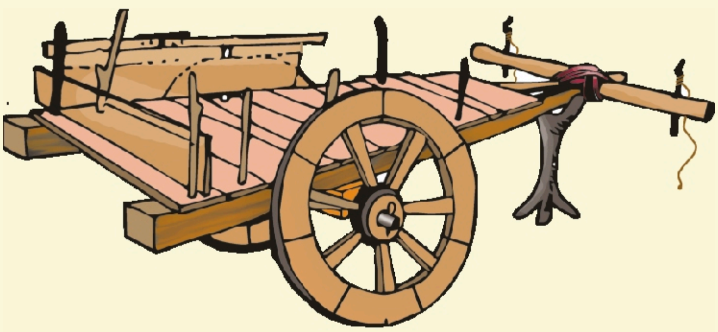

तर्क विवेचन –

1. आप गाँव के सरपंच होते, तो क्या करते?
2. आप डॉक्टर होते, तो क्या करते?

मेरा गाँव

अंतर बताओ –

3

मेरा गाँव

समानता –

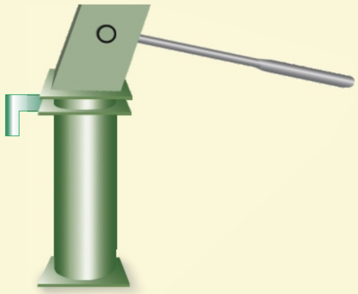

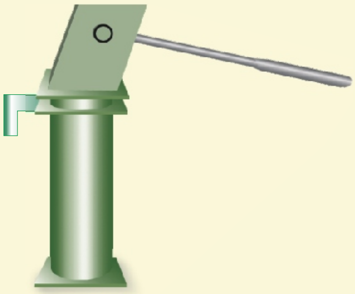

क्या गायब –

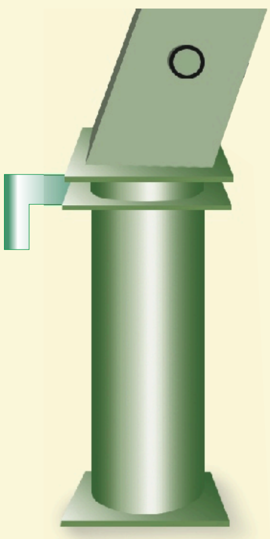

मेरा गाँव

चौड़ा–सँकरा –

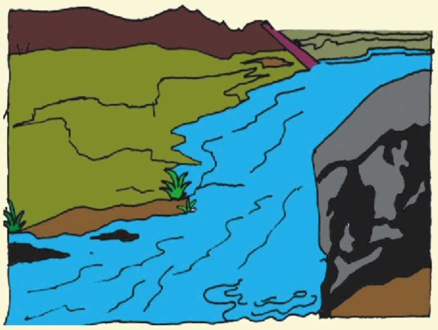

लम्बा–नाटा –

मेरा गाँव

3

निर्देश –चित्र पर चर्चा करें। गाँव के सार्वजनिक काम में आपकी सहभागिता क्या है?

3

मेरा गाँव

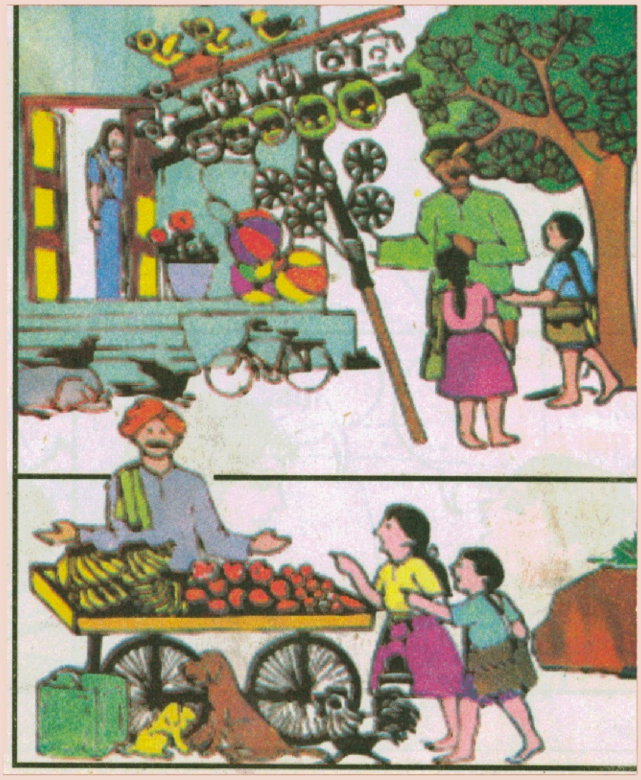

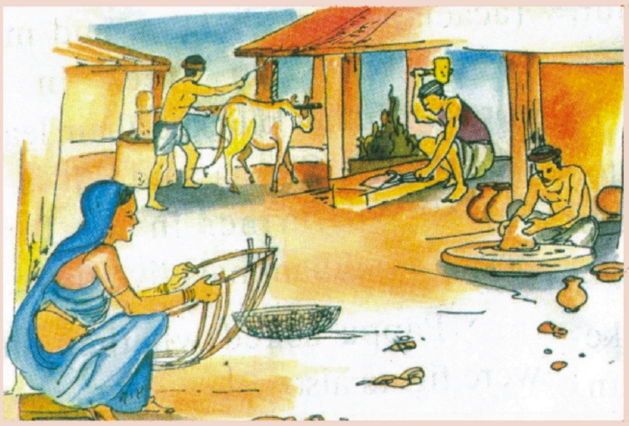

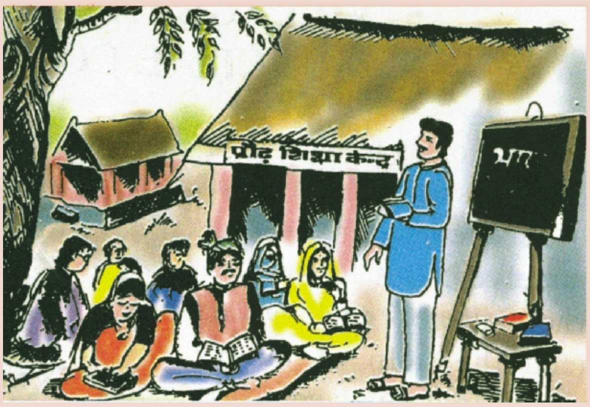

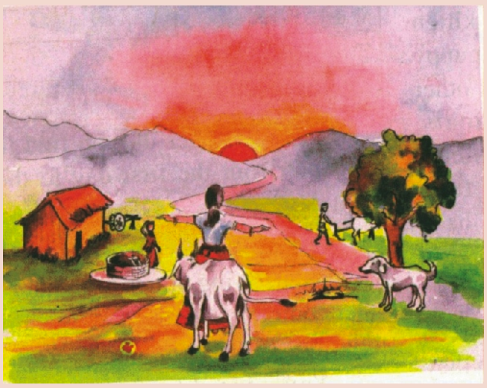

निर्देश –चित्रों पर चर्चा करें। काम के महत्व को समझना, काम छोटा–बड़ा नहीं होता है।

मेरा गाँव

मदारी

गाँव में एक मदारी आया।
संग में उसके भालू था।
भालू का लंबा मुँह था। छोटे–छोटे
कान थे। लंबे काले बाल थे। उसे
देखकर बच्चे डर कर भागने लगे।
तब मदारी ने डमरू बजाया, फिर
खेल दिखाया, टोपी पहनकर
नाच दिखाया। बच्चे खुशी से
नाचने लगे। भालू आया,
भालू आया।

मेरा गाँव

3

1
सबसे प्यारा मेरा गाँव,
सबसे न्यारा मेरा गाँव।
दादी, नानी कहें कहानी,
सुनते गुड्डे गुड़िया रानी।।

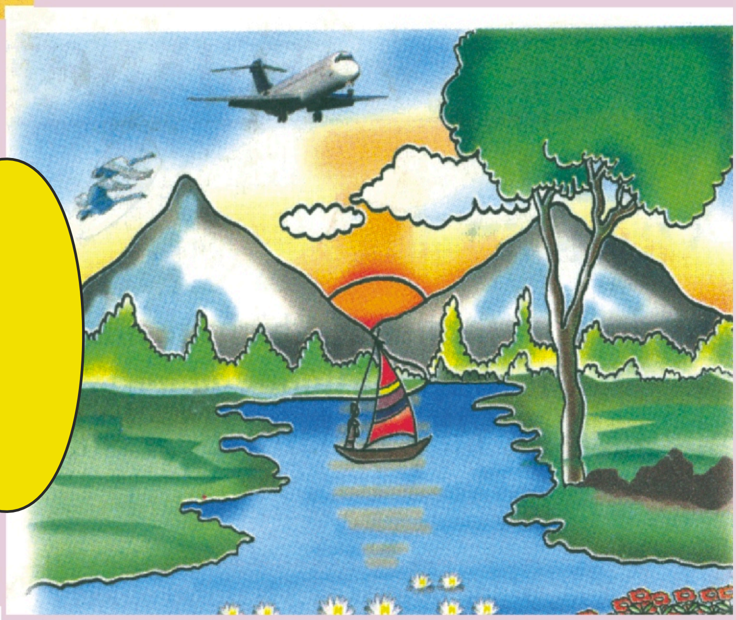

2
आओ गाँव जायें हम,
नदी की सैर करें हम।
सीपी–मछली लाएँ हम,
आँगनबाड़ी सजायें हम।।

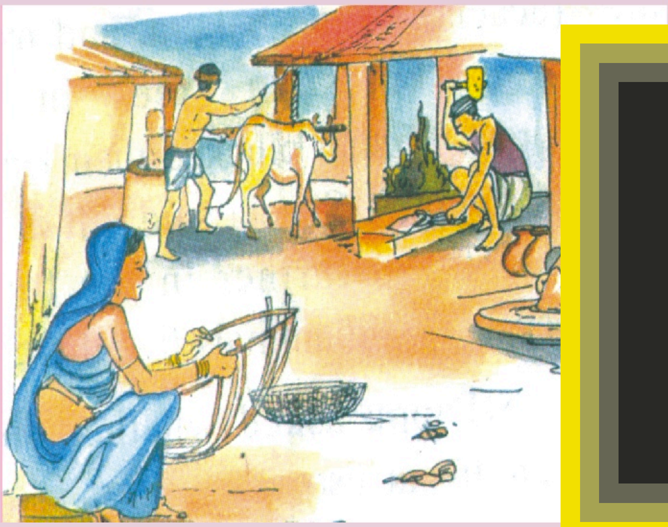

3
लौटे किसान गाँव में,
घर–घर चूल्हे जागे।
पंछी लौटे अपने घर में,
बच्चे आगे–आगे।।

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

मेरा गाँव

1. बिल्लस का खेल।

2. कबड्डी का खेल।

3. पहिया चलाने का खेल।

3

मेरा गाँव

4. पिट्टूल का खेल।

5. फुगड़ी का खेल।

मेरा गाँव

1. कागज पर माचिस की तीली चिपकाकर घर बनाना।

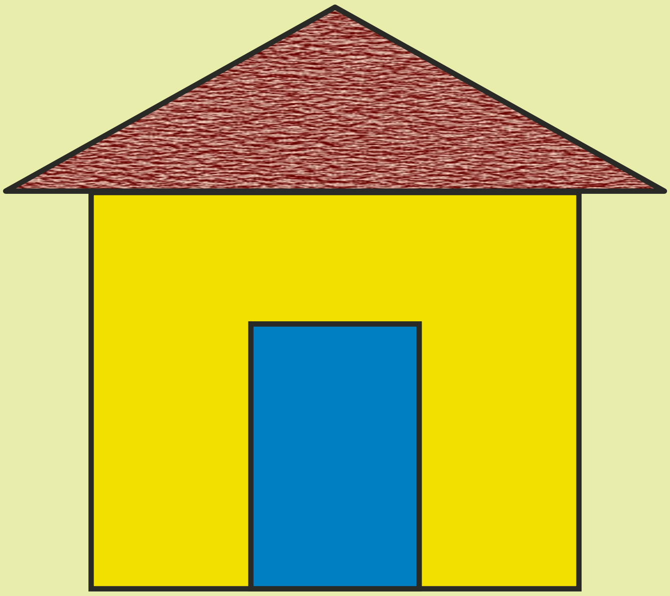

2. मिट्टी से खिलौने बनवाना।

मेरा गाँव

3. कोलॉज वर्क करना।

4. रेत–मिट्टी से घरौंदा बनाना।

5. अंगूठे के छाप से चित्र बनाना।

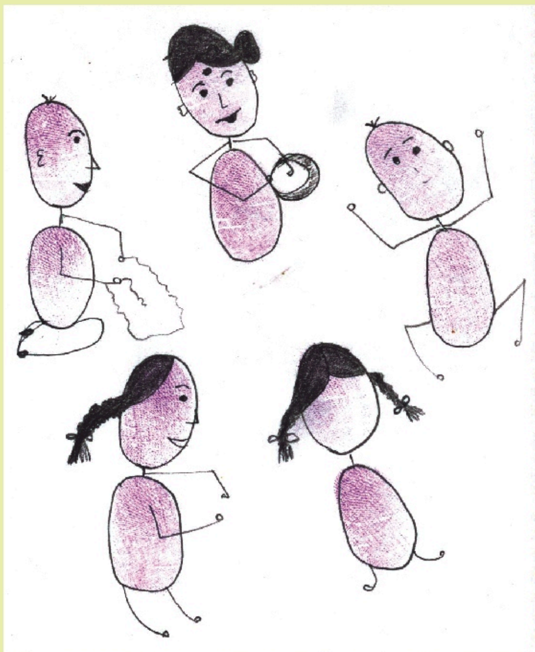

3

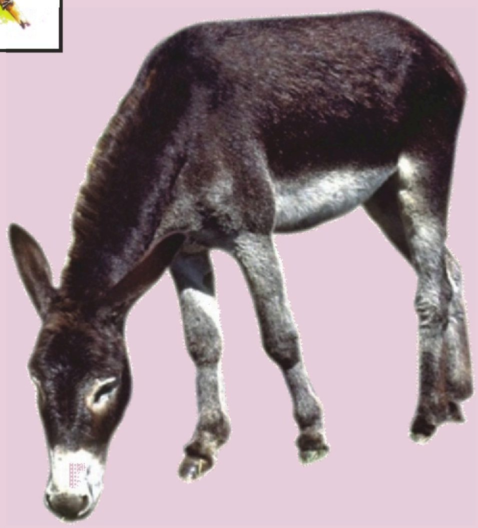

गधा

3

गधा

ग धा

3

तालाब

3

तालाब

ता ब

3

मछली

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

3

मछली

म ली

4

हमारी आँगनबाड़ी

अवलोकन –

निर्देश – चित्रों पर चर्चा करें।

हमारी आँगनबाड़ी

छोटा–बड़ा –

हल्का–भारी

मोटा–पतला

आकार क्रमीकरण

हमारी आँगनबाड़ी

रंग पहचानना –

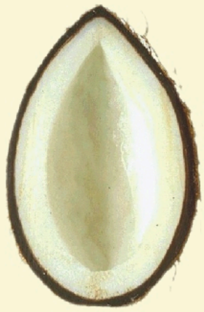

आवाज पहचानना –

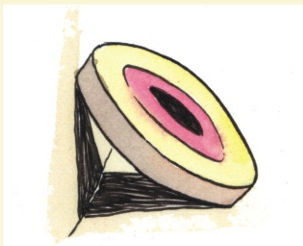

1. डफली की आवाज।
2. बर्तन में चम्मच की आवाज।
3. ताली की आवाज।
4. चुटकी की आवाज।
5. पक्षियों/जानवर की आवाज।
6. सीटी की आवाज।
7. पीठ थप–थपाने की आवाज।
8. सब्जी बघारने की आवाज।

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

4

हमारी आँगनबाड़ी

छूकर पहचानना –

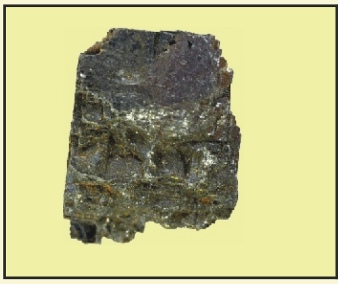
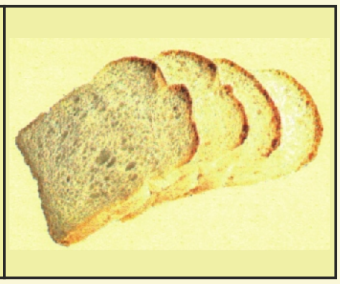

कड़ा | मुलायम | चिकना | खुरदरा

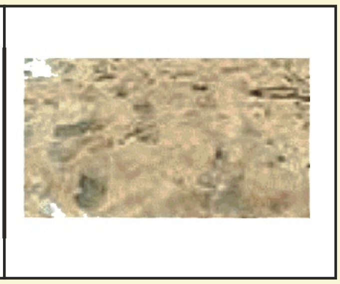

गीला | सूखा | ठंडा | गरम

चखकर पहचानना –

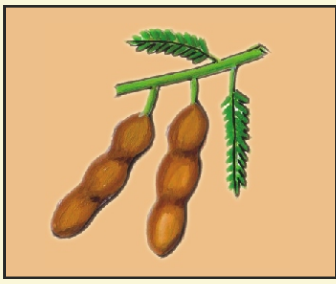

मीठा | नमकीन | खट्टा | कड़वा

निर्देश –इसी प्रकार और अन्य सामग्रियों के साथ गतिविधि कराना।

हमारी आँगनबाड़ी

घुलनशील–अघुलनशील –

वर्गीकरण –

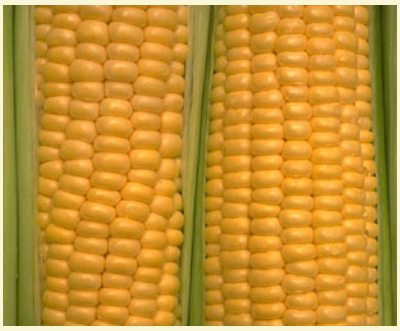

निर्देश – सभी प्रकार के अनाज को अलग–अलग करवाएँ।

हमारी आँगनबाड़ी

अंदर–बाहर –

आकार –

चौकोन

गोल

ऊपर–नीचे –

हमारी आँगनबाड़ी

क्या आप ऐसा करते हैं?

हमारी आँगनबाड़ी

घर/आंगनबाड़ी सजाते समय आप क्या–क्या करते हैं?

क्या आप हमेशा अपना काम स्वयं करते हैं?

हमारी आँगनबाड़ी

पिट्टूल खेलना।

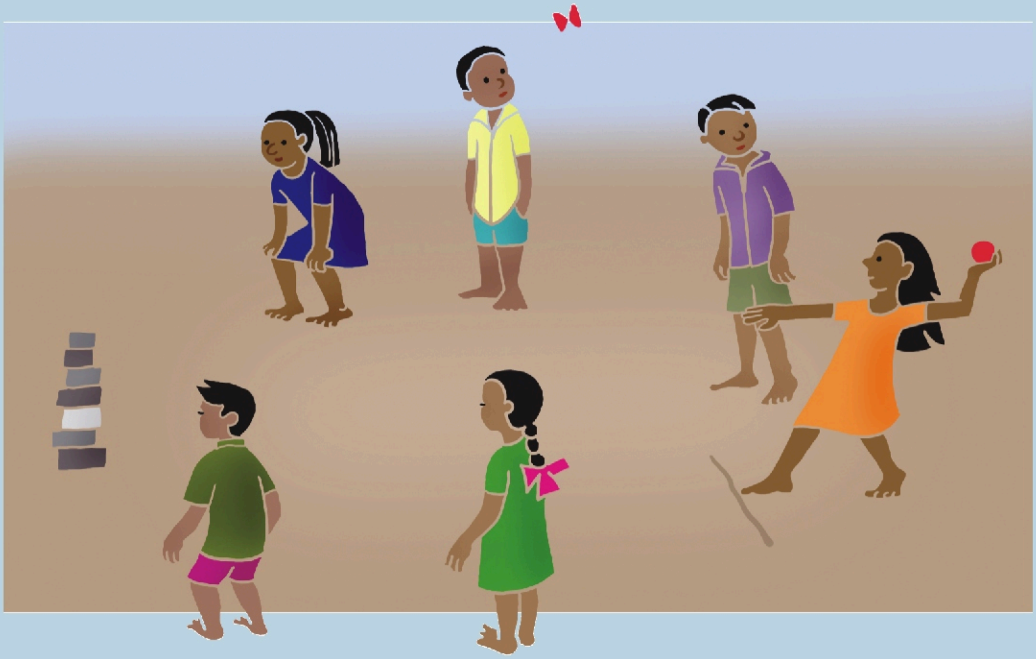

बिल्लस खेलना।

हमारी आँगनबाड़ी

मेंढक दौड़।

रस्सी कूदना।

बाधा दौड़।

हमारी आँगनबाड़ी

एक दिन चंदा जिद करने लगी,
मैं आँगनबाड़ी नहीं जाऊँगी।
माँ के साथ गाँव जाऊँगी।

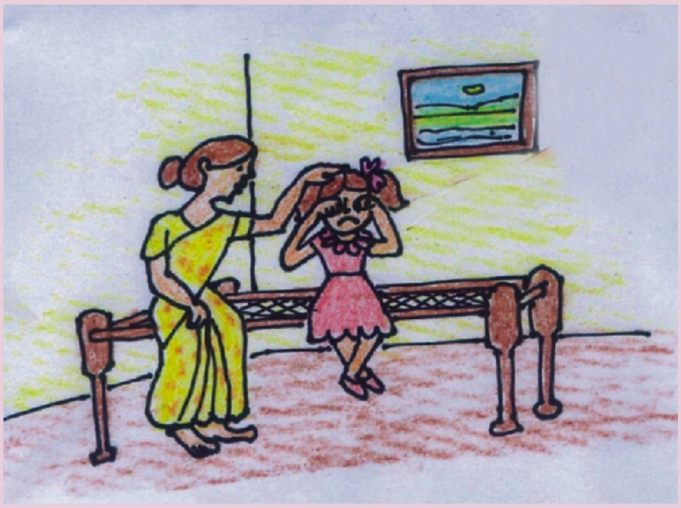

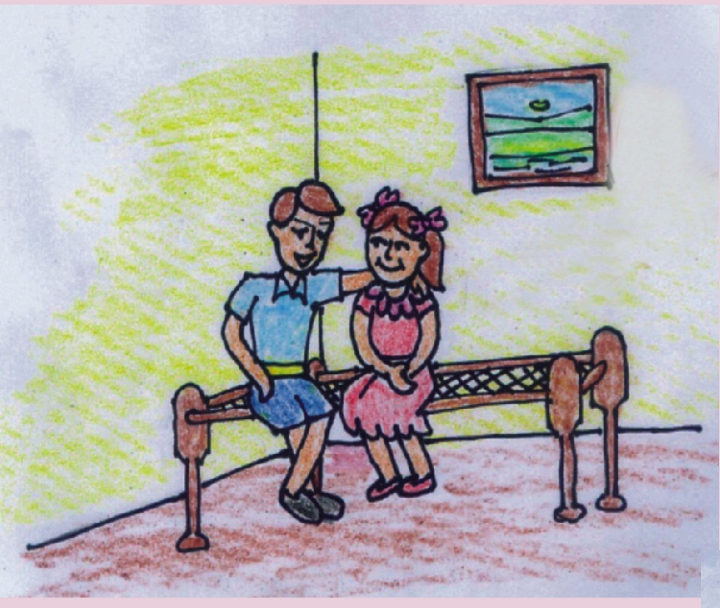

चंदा के भाई श्याम ने उससे कहा कि चलो झूला झुलेंगे, आँगनबाड़ी में दीदी ने नया झूला लगाया है।

चंदा श्याम के साथ आँगनबाड़ी गई।

श्याम ने चंदा को झूला झुलाया।

हमारी आँगनबाड़ी

एक आँगनबाड़ी हमारी,
है बड़ी प्यारी–प्यारी।
जहाँ खेलते हैं हम खेल,
छुक, छुक, छुक चलती है रेल।
रानी है जब रोती,
तीन खिलौने देती।

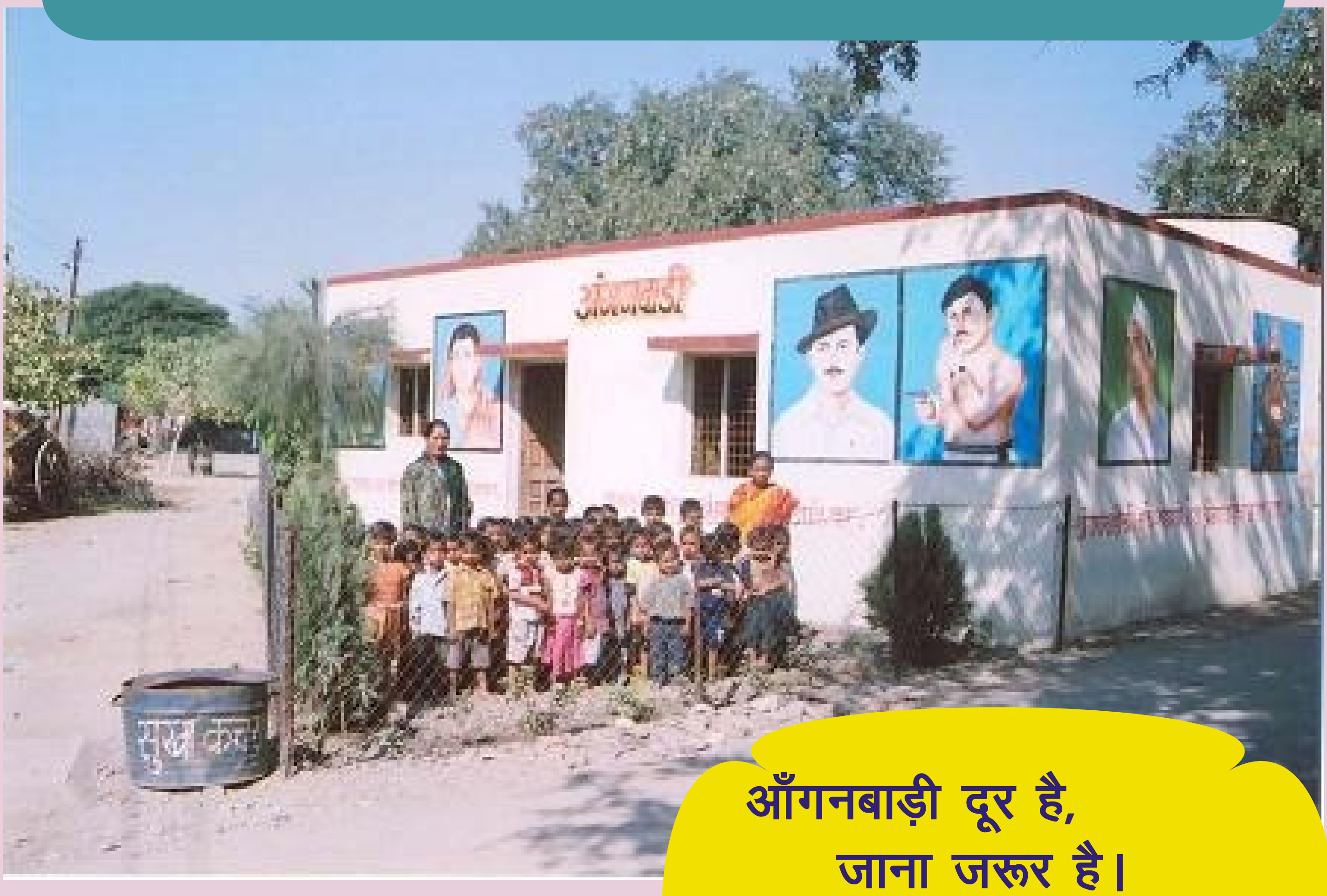

आँगनबाड़ी दूर है,
जाना जरूर है।
मम्मी को टाटा,
पापा को बॉय–बॉय।।

हमारी आँगनबाड़ी

कागज से नाव, गुड़िया, बैग बनाना।

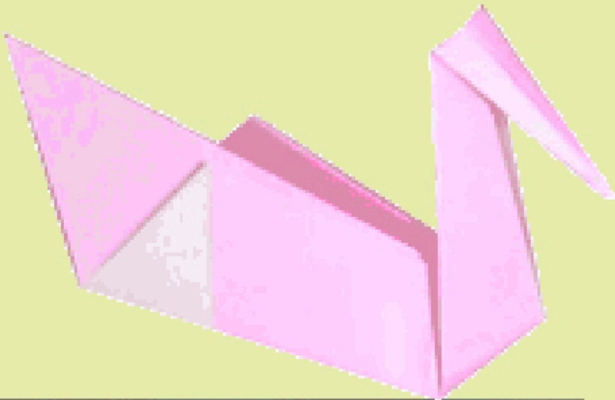

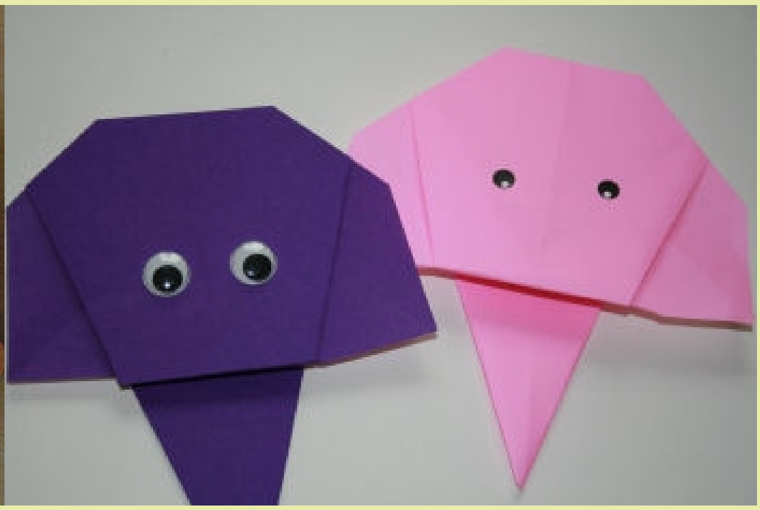

4

हमारी आँगनबाड़ी

बिन्दु मिलाकर आकृति बनाना –

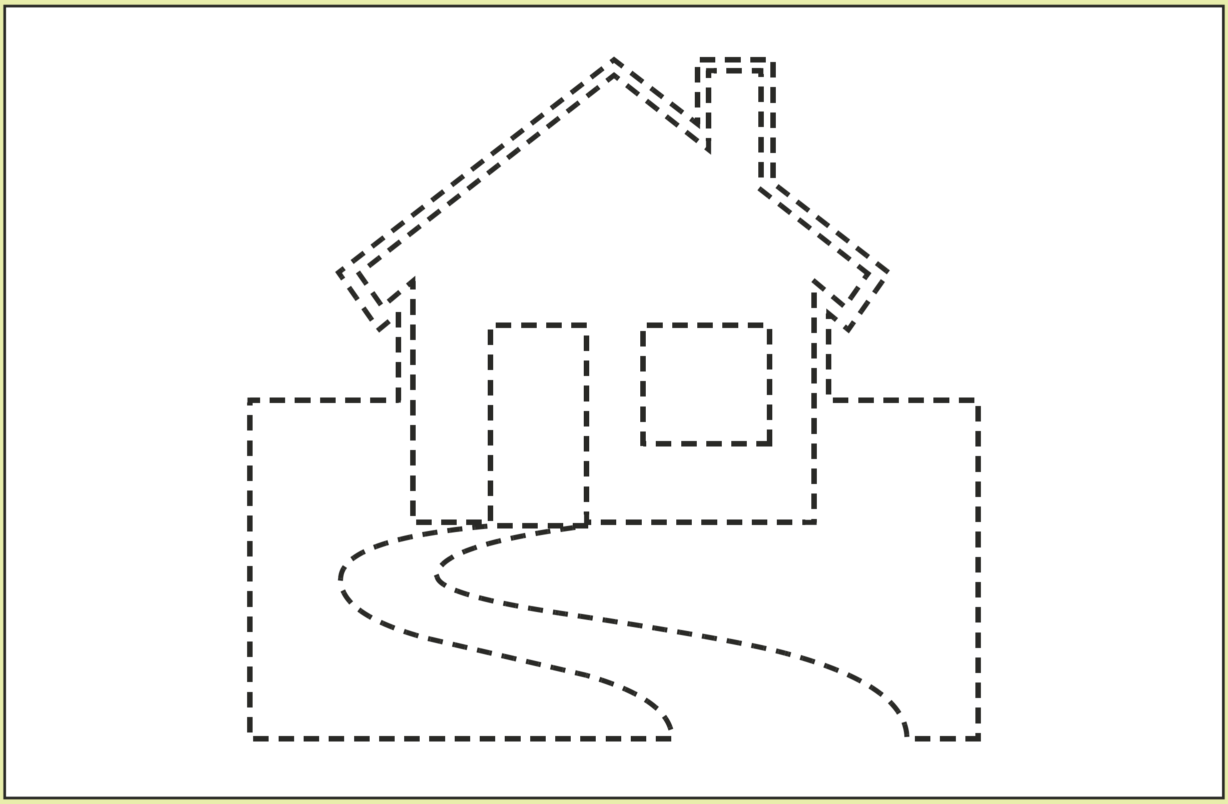

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

4

पंखा

4

पंखा

पं खा

4

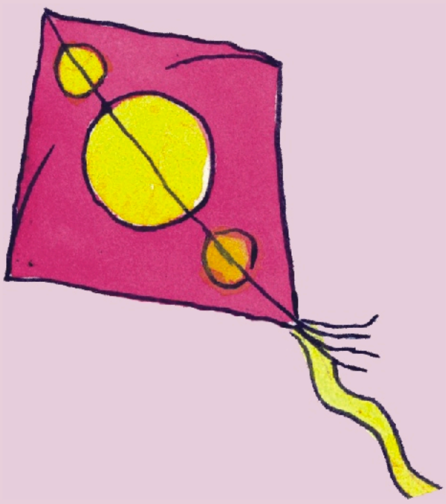

पतंग

4

पतंग

प ग

4

गुब्बारा

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

4

गुब्बारा

गु ra

4

गिलास

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

4

गिलास

गि स

4

थाली

4

थाली

था

ली

4

बांसुरी

4

बांसुरी

बां री

4

मंजीरा

4

मंजीर

मं

रा

4

तबला

4

तबला

त ला

4

ढ़ोलक

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

4

ढ़ोलक

ढो   क

4

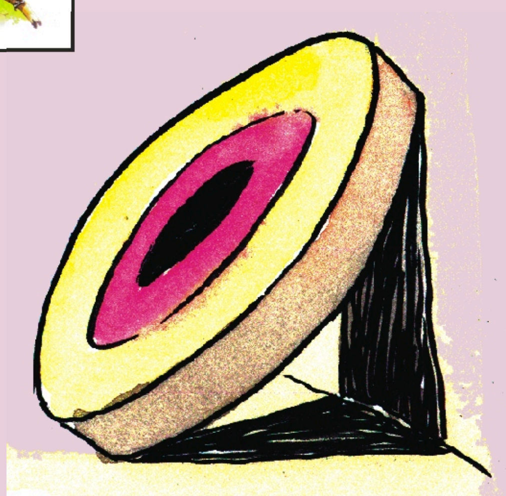

ढपली

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

4

ढपली

ढ ली

बाज़ार अवलोकन करना।

सब्जी की दुकान

मछली की दुकान

किराना दुकान

कपड़े की दुकान

गुपचुप वाला

खिलौने की दुकान

बाज़ार

हल्का–भारी –

छोटा–बड़ा –

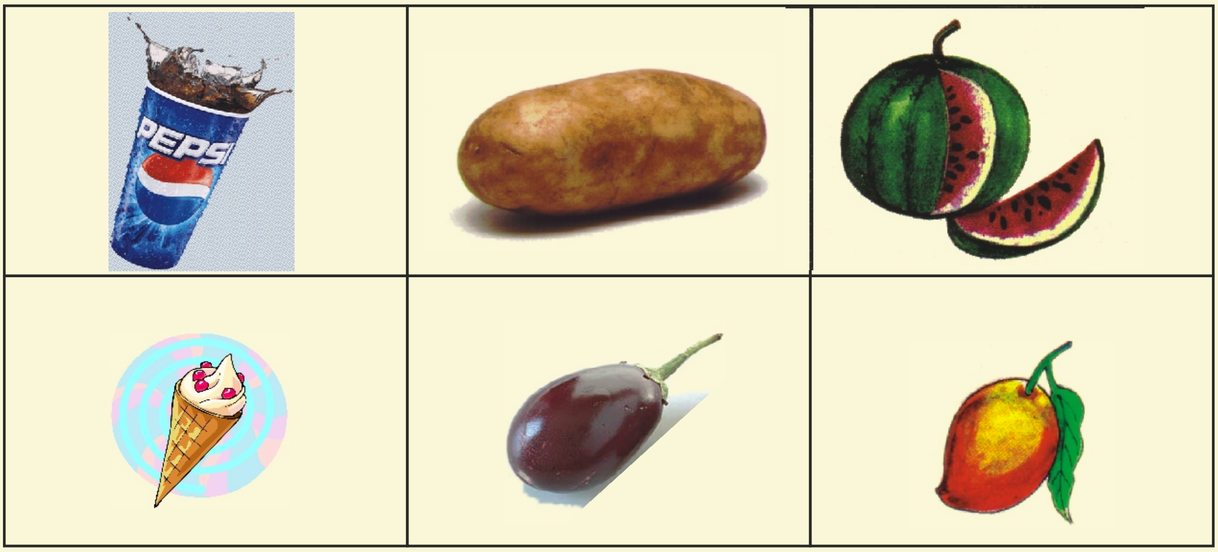

आकार पहचानना –

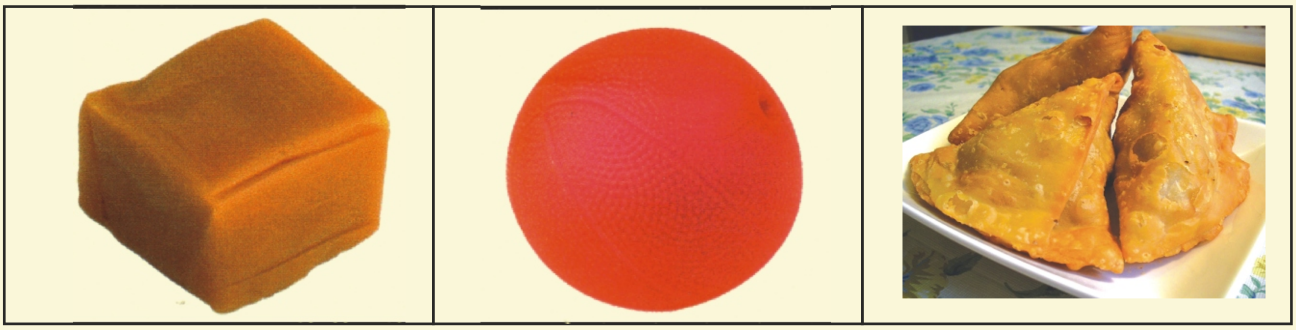

बाज़ार

कम–ज़्यादा –

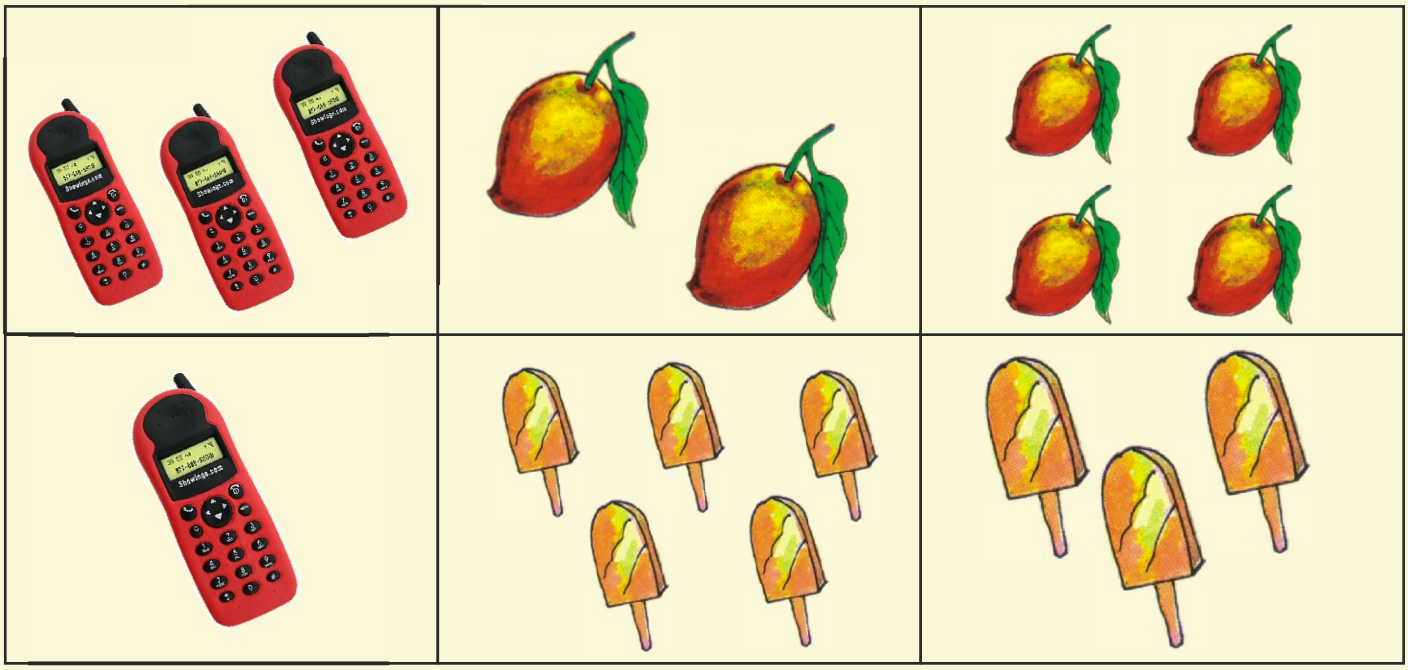

सूंघकर पहचानना–

बाज़ार

आकार क्रमीकरण –

जोड़ी मिलान –

तर्क विवेचन

1. अगर बाज़ार नहीं होता, तो क्या होता?
2. अगर तराजू नहीं होगा, तो आप सामान कैसे तौलोगे?
3. यदि रुपये न होते, तो क्या होता?

बाज़ार

छूकर पहचानना –

ठंडा गरम –

क्या गायब –

बाज़ार

दृश्य विभेदीकरण –

बाज़ार

निर्देश – आप दूसरों की मदद कब–कब कर सकते हैं?
आप दूसरों की मदद कब–कब ले सकते हैं?

निर्देश – आप दूसरों की मदद कैसे कर सकते हैं?

बाज़ार

1. मिठाई बेचने का खेल खेलना।

2. बाजार का खेल खेलना।

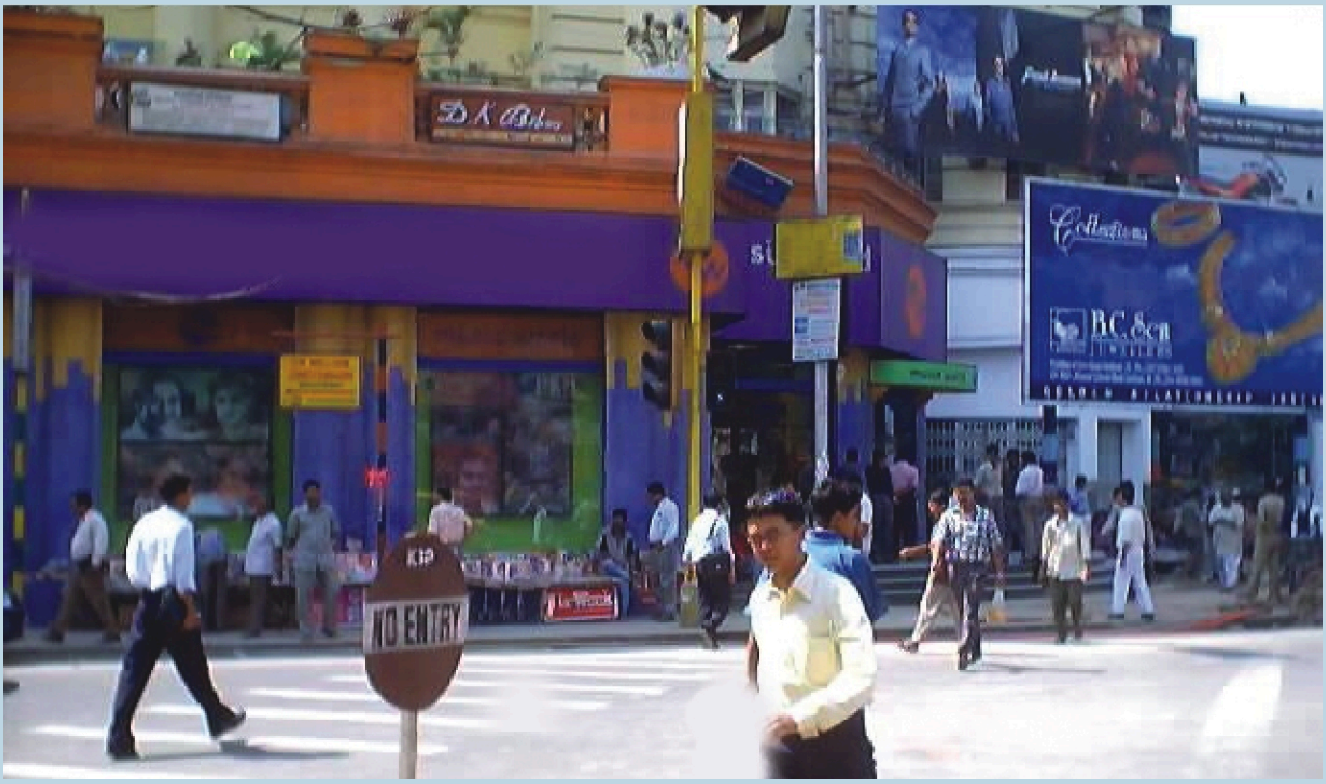

बाज़ार

3. कंचा–बाटी का खेल खेलना।

4. बैंक का खेल खेलना।

5. चेन–बटन लगाना।

6. हाथ में वस्तु रखकर चलना।

7. मटर, फली छीलना।

बाज़ार

1. रिंकी पिंकी गई बाज़ार,
लाई वहाँ से ढेर अनार।
छम्मक–छक्का दावत हुई,
ज़्यादा खाकर आफत हुई।।

2. हाथी दादा ओढ़ लबादा, पहुँच गए बाज़ार।
जूते की दुकान देखकर, जूते मांगे चार।।
कालू जूतेवाला बोला, बड़ा तुम्हारा माप।
इतने बड़े जूते न बनते, दादा कर दो माफ।।

बाज़ार

एक दिन दादाजी ने सोनू और मीनू को पैसे दिये और बाज़ार जाने को कहा। दोनों सबसे पहले खिलौने की दुकान पर गए।

मीनू ने गुड़िया
और सोनू ने गेंद खरीदा।
घूमते–घूमते वे फल की दुकान पर गए। वहाँ उन्होंने कुछ फल खरीदे। सामने ही मिठाई की दुकान थी। वहाँ से कुछ मिठाई खरीदी। मिठाई की दुकान से वे निकले तो उन्हें एक लड़की रोती हुई दिखाई दी। उन्होंने उसे घर पहुँचाया।

घर जाकर उन्होंने दादाजी को सारी बातें बताई। दादाजी बहुत खुश हुए

5

बाज़ार

1. कागज से आकृति बनाना।

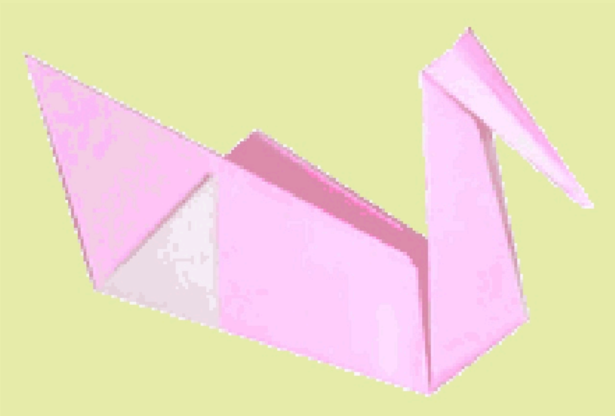

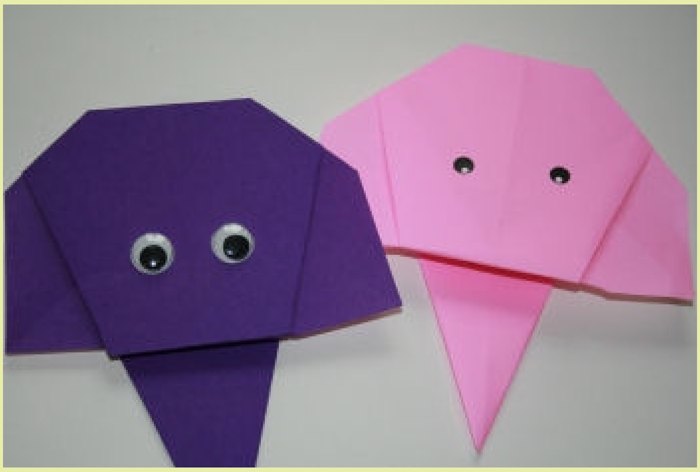

2. तराजू बनाना।

बाज़ार

3. मिट्टी से आकृतियाँ बनाना।

4. रंग भरो।

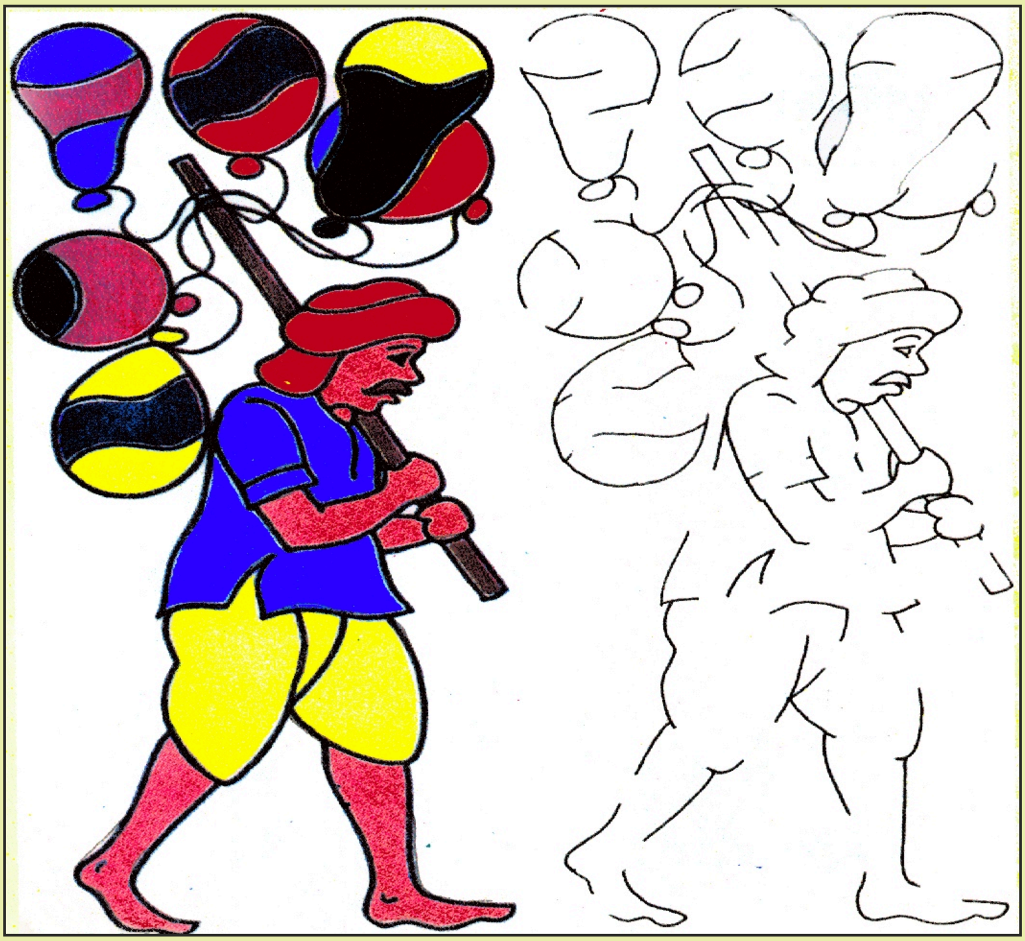

5

तराजू

उड़ान (एस.सी.ई.आर.टी.छ.ग.)

5

तराजू

त   जू

5

झोला

5

झोला

झो ला

5

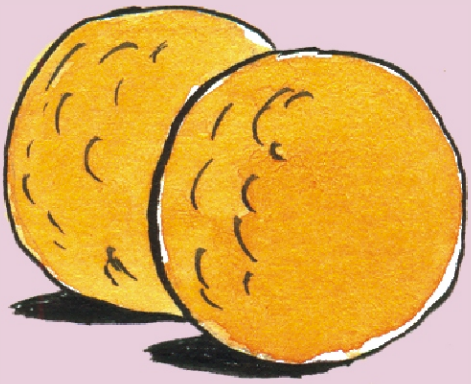

लड्डू

5

लड्डू

ल ड्डू

5

ताला

5

ताला

ता ला

5

बैग

5

बैग

बै ग

5

टोकरी

5

टोकरी

टो ри